

हेमचंद विश्वविद्यालय में पहली बार शुरू होगा शिक्षा विभाग, पांच पीजी पाठ्यक्रमों में मिलेगा प्रवेश

हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में स्थापना के लगभग एक दशक बाद अब अपना स्वतंत्र शिक्षा विभाग शुरू होने जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विश्वविद्यालय में पहली बार शिक्षा विभाग के अंतर्गत पांच स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं और प्रवेश प्रक्रिया भी जारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार शुरूआती चरण में एमएससी गणित, एमएससी भौतिकी, एमएससी रसायन विज्ञान, एमएससी वनस्पति विज्ञान तथा एमएससी प्राणी विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए राज्य शासन की अतिथि व्याख्याता नीति-2024 के तहत 15 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 से पहली बार शिक्षा विभाग के अंतर्गत पांच स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी शुरू

प्रवेश प्रक्रिया जारी, जल्द शुरू होगी कक्षाएं

अधिकारियों के मुताबिक वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। पर्याप्त संख्या में प्रवेश पूर्ण होते ही नियमित कक्षाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। विभाग के संचालन को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन और नियुक्त शिक्षकों के बीच समन्वय बैठकें भी की जा रही हैं ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विश्वविद्यालय में नए विभाग की शुरुआत से क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे। विज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए अब विद्यार्थियों को रायपुर, बिलासपुर या अन्य बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे स्थानीय छात्रों का समय और आर्थिक व्यय दोनों कम होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि भविष्य में विद्यार्थियों की मांग और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर अन्य विषयों को भी शिक्षा विभाग में शामिल किया जा सकता है। फिलहाल पांच स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ शुरुआत कर विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के नए अध्याय की ओर कदम बढ़ा रहा है।

खबर संक्षेप

गांजा बेचने की तैयारी में घूम रहा युवक गिरफ्तार भिलाई। उतई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मीलपारा डुमरडीह में घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.602 किलोग्राम गांजा और 1,550 रुपए नगद बरामद किया गया। आरोपी की पहचान सोम चंदेल, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड 18, मीलपारा, ग्राम डुमरडीह के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने घर से लगे आंगन में गांजा बिक्री के लिए रखे हुए था। सूचना की तत्पदीक के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उतई पुलिस को सूत्र से सूचना मिली थी कि सोम चंदेल निवासी डुमरडीह अपने घर से लगे आंगन, मीलपारा डुमरडीह में गांजा बिक्री के लिए रखा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबिर द्वारा बताए गए हलिलए के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सोम चंदेल बताया। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के पास रखे क्रीम रंग के थैले से लगभग 1.602 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके साथ ही 1,550 रुपए नगद भी मिली। पुलिस ने गांजे और नगद राशि को जब्त किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन गदा चौक से सुपेला तक नए फ्लाईओवर को लेकर रार, विरोध में व्यापारियों ने खोला मोर्चा

हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

गदा चौक से सुपेला चौक तक प्रस्तावित फ्लाईओवर ब्रिज का विरोध अब तेज होता जा रहा है। निर्माण से व्यापार और आम लोगों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका जताते हुए सुपेला के व्यापारी संगठनों के साथ सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी सामने आ गई हैं। संगठनों ने संयुक्त रूप से राज्यपाल, मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित फ्लाईओवर का निर्माण रोकने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने वाली में गणेश मार्केट सुपेला व्यापारी संघ, होलसेल होजियरी रेडीमेड फूड क्लॉथ मर्चेट एसोसिएशन, श्री गुरु सिंघ सभा सुपेला और मस्जिद नूर सुपेला सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल रहे। व्यापारी संगठनों का कहना है कि सुपेला चौक से गदा चौक तक का मुख्य मार्ग भिलाई के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में शामिल है। इस सड़क के दोनों ओर अलग-अलग वर्गों के व्यापारी लंबे समय से कारोबार कर रहे हैं। व्यापारियों का दावा है कि फ्लाईओवर निर्माण के दौरान लंबे समय तक सड़क प्रभावित रहेगी। निर्माण के बाद भी बाजार तक पहुंच और ग्राहकों की आवाजाही पर असर पड़ सकता है। ऐसे में छोटे और मध्यम व्यापारियों का कारोबार गंभीर रूप से प्रभावित होने की आशंका है। व्यापारियों ने कहा कि उनका व्यवसाय ही उनके परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। यदि निर्माण के कारण बाजार की पहुंच प्रभावित होती है तो उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

गुरुद्वारा प्रबंधन ने भी जताई चिंता

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा सुपेला ने भी प्रस्तावित निर्माण का विरोध किया है। संस्था का कहना है कि गुरुद्वारा भिलाई के मध्य क्षेत्र में स्थित है और यहां सभी वर्गों के श्रद्धालु आते हैं। संस्था के अनुसार गुरुद्वारा के सामने सड़क करीब 100 फीट चौड़ी है। प्रस्तावित फ्लाईओवर बनने से सड़क और आसपास का क्षेत्र संकरा होने की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी परेशानी हो सकती है। इसलिए श्रद्धालुओं और व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर निर्माण पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

शासन की राशि व्यर्थ जाने की आशंका

व्यापारी संगठनों ने ज्ञापन में यह भी कहा है कि मौजूदा सड़क की पर्याप्त चौड़ाई और क्षेत्र में पहले से मौजूद यातायात सुविधाओं को देखते हुए इस फ्लाईओवर की उपयोगिता पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। संगठनों का तर्क है कि यदि फ्लाईओवर की आवश्यकता नहीं है और इसके निर्माण से व्यापारियों तथा आम नागरिकों को नुकसान होता है, तो सरकारी राशि के खर्च पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। फ्लाईओवर निर्माण को लेकर व्यापारी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के विरोध के बाद अब प्रशासन के रुख पर नजर है। एक तरफ शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बड़े इंट्रानेट्रुक्चर प्रोजेक्ट की योजना है, तो दूसरी तरफ स्थानीय व्यापारी और सामाजिक संगठन इसके संभावित असर को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

सुपेला से कोहका जाने का यही प्रमुख रास्ता

ज्ञापन में संगठनों ने कहा है कि सुपेला चौक से कोहका और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने के लिए यह प्रमुख मार्ग है। सुपेला का बाजार आसपास के कई इलाकों के लोगों की जरूरत पूरी करता है। संगठनों के मुताबिक सुपेला से गदा चौक के बीच सड़क की चौड़ाई कई स्थानों पर करीब 100 से 150 फीट तक है। ऐसे में लोगों का सवाल है कि जब सड़क पहले से पर्याप्त चौड़ी है और क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने के लिए सुपेला चौक में फ्लाईओवर तथा रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरब्रिज का निर्माण हो चुका है, तो गदा चौक से सुपेला चौक के बीच नए फ्लाईओवर की आवश्यकता क्यों है?

साइबर ठगी की रकम खपाने वाले 9 मयूल खाताधारक गिरफ्तार



हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिए आगे ट्रांसफर करने और खपाने के मामले में पुलिस ने 9 मयूल बैंक खाताधारकों को गिरफ्तार किया है। जांच में इन खातों के जरिए साइबर ठगी से जुड़ी 5 लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध राशि के लेन-देन का खुलासा हुआ है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सुपेला, थाना भिलाई भट्टी और एससीयू की संयुक्त टीम ने की।

पुलिस की जांच के मुताबिक आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते अथवा अन्य बैंक खातों से जुड़े पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और मोबाइल सिम कार्ड दूसरे व्यक्तियों को उपलब्ध करवाए थे। इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से हासिल रकम को प्राप्त करने और फिर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने के लिए किया गया। पुलिस के अनुसार जांच में आरोपियों को कथित तौर पर 2,000 से 15,000 रुपए तक कमीशन मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं।

रास्ता रोककर मोबाइल लूटने वाला गिरफ्तार

हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल के पास सड़क पर मोटरसाइकिल रोककर युवक पर धारदार हथियार से हमला करने और उसके पास से मोबाइल फोन व नगदी लूटने के मामले में सुपेला पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिलबाग सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी चांदना टिम्बर, वार्ड 7, पांच रास्ता, सुपेला के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक घटना 19 अगस्त की है। प्रार्थी मोटरसाइकिल से किट्टी बुक डिपो जा रहा था। इसी दौरान शासकीय अस्पताल सुपेला के पास आरोपी ने अपनी बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 07 डीएफ प्रार्थी के सामने रोक दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने रास्ता रोकने के बाद प्रार्थी से गाली-गलौज की और धारदार हथियार



सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने पिछले 15 दिनों से विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत नेशनल हाईवे, सर्विस रोड और शहर के प्रमुख मार्गों पर सड़क पर विचरण कर रहे गौवंश को चिन्हित कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देश पर यातायात पुलिस और संबंधित नगर निगम की टीम संयुक्त रूप से अभियान चला रही है। कार्रवाई के दौरान मुख्य मार्गों पर घूम रहे गौवंश को हटाकर

मैंसों से भरा पिकअप जब्त, दो नाबालिग सहित आठ आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

जिले में अवैध मवेशी परिवहन और तस्करी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत उतई पुलिस ने ग्राम पुरई में घेराबंदी कर मवेशियों से भरे पिकअप वाहन को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि 2 अपचारी बालकों को विधि अनुसार अभिरक्षा में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 3 भैंस मवेशियों को बरामद करने के साथ ही परिवहन में इस्तेमाल मैक्सिमा पिकअप, स्कॉर्पियो और दो मोटरसाइकिल भी जब्त की है। एक फरार व्यक्ति की तलाश जारी है। उतई पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि क्षेत्र में बिना वैध दस्तावेज और अनुमति के मवेशियों का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम पुरई स्थित नर्सरी के पास घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान मैक्सिमा पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 04 पीएफ 6904 की जांच की गई। वाहन में 3 भैंस मवेशी पाए



सड़क पर घूम रहे 1831 गौवंश को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

हरीभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने पिछले 15 दिनों से विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत नेशनल हाईवे, सर्विस रोड और शहर के प्रमुख मार्गों पर सड़क पर विचरण कर रहे गौवंश को चिन्हित कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देश पर यातायात पुलिस और संबंधित नगर निगम की टीम संयुक्त रूप से अभियान चला रही है। कार्रवाई के दौरान मुख्य मार्गों पर घूम रहे गौवंश को हटाकर

पशुपालकों से अपील

यातायात पुलिस ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने गौवंश को खुले में सड़क पर न छोड़ें। वहीं आम नागरिकों से भी कहा गया है कि सड़क पर गौवंश दिखाई देने पर यातायात पुलिस या नगर निगम को सूचना दें, ताकि समय रहते उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके और संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

सस्ता

सस्ता

सस्ता

न्यू

ओम ज्वेलर्स

शारी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर बेरावटी के गहने उपलब्ध

जितने बान सोना लेने पर उतने ही बान की चांदी बिल्कुल फ्री

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध आज ही पधारें

सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है

★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा

★ टोटल हाल मार्क जेवर

★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री

★ रिपेयरिंग फ्री

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों का हक, इसके लिए हर मोर्चे पर कांग्रेसी करेंगे संघर्ष

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ इंटक का चौथा राष्ट्रीय अधिवेशन गुरुवार को दुर्ग स्थित राजीव भवन में आयोजित किया गया। अधिवेशन में देश के 18 राज्यों से महासंघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा, उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, संगठन को मजबूत करने एवं देशभर में विस्तार के साथ आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिवेशन में महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ इंटक से देशभर में करीब 4 लाख सदस्य जुड़े हुए हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में सदस्यों की संख्या लगभग 36 हजार है।

महासंघ द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती एवं सद्भावना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष अलग-अलग राज्यों में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन के शुभारंभ से पहले मीडिया से चर्चा करते हुए महासंघ इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हौशिला प्रसाद शर्मा ने कहा कि इंटक मूल रूप से श्रमिकों का संगठन है और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से श्रमिकों के अधिकारों का हनन और उनका शोषण किया जा रहा है। कंपनियों, फैक्ट्रियों एवं अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले अनेक श्रमिकों को आज भी न्यूनतम वेतनमान का उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस महासंघ इंटक के राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से जुटे पदाधिकारी और कार्यकर्ता

अधिकारों के लिए श्रमिकों को होना होगा संगठित

डॉ. शर्मा ने कहा कि श्रमिकों को अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा, क्योंकि संगठन में ही शक्ति होती है। श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा एवं श्रमिक हितैषी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित होने से संगठित क्षेत्र का दायरा बढ़ेगा और श्रमिकों की स्थिति में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा श्रमिकों के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका समुचित लाभ श्रमिकों तक नहीं पहुंच पा रहा है। श्रमिकों को उनका अधिकार दिलाना और शोषण से मुक्ति दिलाना महासंघ इंटक का प्रमुख उद्देश्य है। महासंघ इंटक के समानांतर संगठन से जुड़े सवाल पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने कहा कि उनका संगठन एकजुट है। समानांतर संगठन के रूप में कोई अन्य संगठन हो सकता है, लेकिन उसका महासंघ इंटक से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इंटक का मुख्य उद्देश्य श्रमिक हित एवं कल्याण है और संगठन इसी दिशा में मजबूती से कार्य कर रहा है।



सार्वजनिक उपक्रमों और निजी उद्योगों तक होगा संगठन का विस्तार

महासंघ इंटक के छत्तीसगढ़ कार्यकारी अध्यक्ष रामकुमार पटेल ने कहा कि श्रमिक आज भी शोषण और पीड़ा का सामना कर रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें श्रमिकों के कल्याण और उत्थान की बातें करती हैं, लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हित में संघर्ष करना और उन्हें उनका अधिकार दिलाना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आखिर श्रमिक कब तक अपने अधिकारों के लिए मांग करते रहेंगे। महासंघ की मंशा है कि देश में ऐसा वातावरण तैयार हो, जिसमें शासन और प्रशासन स्वयं श्रमिक हितों की रीता करें तथा उनके अधिकारों का पालन सुनिश्चित हो। तभी श्रमिकों के जीवन में वास्तविक सुखहाली आएगी।

खबर संक्षेप

फाउंडेशन स्कॉलरशिप व सम्मान समारोह कल भिलाई। छग जकात फाउंडेशन मिशन तालीम का 12वां एजाजी प्रोग्राम भिलाई-दुर्ग के लिए 22 अगस्त को दोपहर 3 बजे से जामा मस्जिद सेक्टर-6 के कम्युनिटी हॉल में रखा गया है। इस दौरान फाउंडेशन की ओर से स्कूली बच्चों को स्कॉलरशिप दी जाएगी और विभिन्न परीक्षाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट को सम्मानित किया जाएगा। जकात फाउंडेशन के इस खास मौके पर मेहमान-ए-खुसूसी डॉ. इरफानुर रहीम खान कैम्प कमांडेंट बालोद, असद खान एडिशनल एसपी एवं ओएसडी विस अध्यक्ष, डॉ. मोहम्मद अनवर अंसारी साहब असिस्टेंट सीएमओ जवाहरलाल नेहरू मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर, बीएसपी, सेक्टर-9 डॉ. एजाजुद्दीन रिजस्टार एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी और रिजवान खान असिस्टेंट जनरल मैनेजर भिलाई स्टील प्लांट होंगे।

चंदखुरी में कांग्रेस की मासिक बैठक कल अण्डा। कांग्रेस पार्टी दुर्ग ग्रामीण के चंदखुरी मंडल की मासिक बैठक 22 अगस्त शनिवार को समरसता भवन, चंदखुरी पंचायत के पास शाम 5 बजे रखी गई है। जिसमें पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू मुख्य अतिथि होंगे। बैठक में देवद्व देशमुख ब्लॉक अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण, सुनील मिश्रा, शिवनारायण, जितेंद्र यादव एवं रोशन चंद्राकर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

रजिस्ट्रार और जिला शिक्षा विभाग कर रहा मामले की जांच स्कूल में नहीं खेल मैदान, संचालन समिति के खिलाफ शिकायत, बैटी जांच

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

वीआरटी स्कूल नयापारा के संचालन को लेकर शिकायत सामने आई है। शिकायत नैनदास साहू ने रजिस्ट्रार और जिला शिक्षा विभाग में की है। शिकायत में संचालन गलत तरीके से किए जाने का आरोप लगाया गया है। नैन दास साहू ने शिकायत में कहा है कि संचालन एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। इसमें एक पदाधिकारी नाबालिग है। उसे संस्था का उपाध्यक्ष बनाया गया है। और उनकी मां और पिता अध्यक्ष एवं सचिव हैं। संचालन निजी मकान में किया जा रहा है। और मकान मालिक किराएदार बनकर किरायानामा दस्तावेज शिक्षा विभाग में प्रस्तुत किया गया है। स्कूल में खेल मैदान नहीं है। दूसरे मैदान को स्कूल का मैदान बताकर शासन को गलत जानकारी दी गई है। संस्था के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने असत्य जानकारी शिक्षा विभाग को प्रस्तुत की है। स्कूल में पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। नैनदास ने इस पूरे मामले में जांच कर नियमत: कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में संस्थान के जामवंत देवांगन ने

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

संत शिरोमणि रविदास की जन्म जयंती पर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने अभियान की शुरुआत की है। इसी कड़ी में गांव-गांव, शहर-शहर कलश यात्रा निकाली जानी है। गुरुवार को इसे लेकर रायपुर से लाए गए पवित्र कलश का दुर्ग स्थित सतनामी आश्रम सिविल लाइन रोड में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए चार कलश तैयार कर संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के मंडल अध्यक्षों को वितरित किए गए। इन कलशों को मंडल स्तर पर कलश यात्राओं के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया जाएगा।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कुरूद विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अजय चंद्राकर रहे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन, त्याग, साधना और सामाजिक समरसता के विचारों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कलश वितरण के पश्चात दुर्ग शहर के गंजपारा-सदर-गौरव पथ मंडल में आयोजित कलश यात्रा में संत रविदास समाज के अध्यक्ष विजय मालपुरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। अजय चंद्राकर ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु



रविदास जी ने समाज को संदेश दिया कि सभी मनुष्य समान हैं, कोई छोटा या बड़ा नहीं है। उनका जीवन त्याग, भक्ति, श्रम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। तत्कालीन शासक सिकंदर लोदी द्वारा दबाव बनाए जाने के बावजूद संत रविदास जी ने अपने सिद्धांतों और सनातन धर्म से समझौता नहीं किया तथा भक्ति और श्रम को सर्वोच्च महत्व दिया। संत रविदास की प्रसिद्ध उक्ति मन चंगा तो कठौती में गंगा का उल्लेख करते हुए कहा कि वे मां गंगा के अनन्य भक्त थे। उनकी निश्चल भक्ति, पवित्रता और साधना संत रविदास जी के जीवन का महत्वपूर्ण संदेश है। उनका जीवन हमें मन की पवित्रता और कर्म के प्रति निष्ठा की सीख देता है।

नियमितीकरण के 8975 प्रकरणों का निराकरण, 2738 अब भी पेंडिंग

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला नियमितिकरण समिति की बैठक आयोजित की गई। छग अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण अधिनियम (संशोधन) 2022 व 2024 के तहत गठित समिति के समक्ष 1388 प्रकरणों की सूची निर्णय हेतु प्रस्तुत किया गया। सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम, भिलाई के आवासीय एवं गैर आवासीय कुल 1050 प्रकरणों को सर्व सम्मति से मान्य, अमान्य कर निराकरण किया गया तथा 01 प्रकरण को पुनर्विचार कर शास्ति राशि में संशोधन करते हुए मान्य किया गया। नगर पालिक निगम दुर्ग के आवासीय एवं गैर आवासीय के कुल 337 प्रकरणों में से 335 प्रकरणों को मान्य, अमान्य कर निराकरण किया गया एवं शेष 02 प्रकरणों को नगर पालिक निगम दुर्ग को पुन: परीक्षण कर स्पष्ट अनुशंसा के साथ पुन: प्रेषित करने हेतु वापस किये जाने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार दोनों नगरीय निकायों का कुल 1388 प्रकरणों का निराकरण सर्व सम्मति से किया गया। इस प्रकार जिला नियमितीकरण समिति दुर्ग के द्वारा अब तक कुल 13 बैचक आहुत कर प्राप्त 11713 प्रकरणों में से 8975 प्रकरणों का समिति द्वारा निर्णय लिया जा चुका है। शेष 2738 प्रकरणों का परीक्षण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दुर्ग। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती पर मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने वार्ड नंबर 55 पुलगांव वार्ड में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने कहा कि राजीव गांधी को कंप्यूटर और संचार क्रांति का जनक कहा जाता है।

उन्होंने 21वीं सदी के भारत की नींव रखी। अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा की राजीव गांधी ने पंचायती राज व युवाओं को 18 साल में वोट का अधिकार, सूचना क्रांति जैसी योजनाओं से देश के विकास में योगदान दिया। इस अवसर पर छायादार वृक्ष लगाए गये। उन्होंने कहा कि हम



राजीव गांधी के देश के प्रति योगदान को भूल नहीं सकते वे पर्यावरण संरक्षण और युवा सक्ति को काम और विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अलताफ अहमद, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, प्रभारी

महामंत्री रायसिंह ढिकोला, उपाध्यक्ष विजय चंद्राकर, महामंत्री अजय मिश्रा, दुधंत देवांगन, आनंद कपूर ताम्रकार, अश्वनी निनाद, अशोक मेहरा, लिखन साहू, राहुल शर्मा, प्रकाश शिवणकर सहित अन्य मौजूद थे।

वेटनरी स्कूल में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू, होगा ऑनलाइन पंजीयन

दुर्ग। दाऊ बासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले वेटनरी कॉलेज अंजोरा और बिलासपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बीवीएससी एंड एएच स्नातक पाठ्यक्रम में नीट-2026 की प्रावीण्यता सूची के आधार पर 148 सीटों पर प्रवेश दिया जाना है। प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन 10 सितम्बर तक होगा। गुरुवार से इसकी शुरुआत की गई। पंजीयन के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया 29 सितम्बर को पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय, अंजोरा में सुबह 10 बजे प्रारम्भ होगी एवं सीट रिक्त होने पर द्वितीय काउंसिलिंग 9 अक्टूबर को आयोजित होगी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन, विस्तृत शैक्षणिक योग्यता, आयु एवं अनिवार्य आर्हताए, प्रत्येक श्रेणी एवं वर्ग में उपलब्ध सीटों की संख्या, फीस इत्यादि प्रवेश नियमों के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के बाद प्रवेश काउंसिलिंग के संबंध में समस्त सूचनायें विश्वविद्यालय की वेबसाइट में ही प्रकाशित होगी।

ग्राम सभा में वोटिंग वॉल, संदेश कार्ड और सवाल-जवाब के बाद निकली तिरंगा रैली

ग्रामीणों ने तय की गांव की प्राथमिकताएं, 125 दिन का मिल रहा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ►►दुर्ग

जनसंवाद-2.0 विकसित भारत ग्राम संकल्प के तहत गुरुवार को ग्राम पंचायत अहेरी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने गांव की जरूरतों और विकास की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। इस दौरान मेरे गांव की प्राथमिकता वोटिंग वॉल, 125 दिन रोजगार-मेरा अधिकार शपथ, विकसित भारत संदेश कार्ड और जनता पूछे-पंचायत बताए जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। ग्राम सभा में लगाए गए मेरे गांव की प्राथमिकता वोटिंग वॉल पर ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने गांव की आवश्यकताओं को प्राथमिकता क्रम में दर्ज किया। ग्रामीणों की राय के आधार पर स्थानीय जरूरतों को ग्राम विकास की आगामी कार्ययोजना से जोड़ने की पहल की गई। इस अवसर पर ग्राम सभा में सरपंच प्रियंका देश लहरे, सचिव रेखा मालवीय, उपसरपंच भूपेंद्र साहू, जनपद संदश्य सौरभ साहू, तकनीकी सहायक गीता मर्म, पंच सुनील धनकर, पंच ईश्वरी लाल बंजारे, पंच सुरेंद्र कुमार एवं रोजगार सहायक सहित अन्य मौजूद थे।



125 दिन रोजगार का लिया संकल्प

ग्राम सभा में ग्रामीणों एवं श्रमिकों ने 125 दिन रोजगार-मेरा अधिकार की शपथ ली। उपस्थित लोगों ने ग्रामीण रोजगार के अधिकार के साथ गांव के विकास और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करने का संकल्प लिया। विकसित भारत संदेश कार्ड के माध्यम से ग्रामीणों ने वीडो-जी राम जी योजना (ग्रामीण) को लेकर अपने सुझाव, विचार और अपेक्षाएं साझा कीं। प्राप्त संदेशों को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया गया, ताकि ग्रामीणों की राय और सुझावों को योजना के क्रियान्वयन से जोड़ा जा सके।



पंचायत ने दिए ग्रामीणों के सवालों के जवाब

जनता पूछे-पंचायत बताए संवाद मंच में ग्रामीणों ने योजना से जुड़े सवाल रखे। पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचायत पदाधिकारियों ने सवालों के जवाब देते हुए योजना के प्रवधानों और लाभों की जानकारी दी। संवाद के माध्यम से ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान हुआ और योजना को लेकर जागरूकता बढ़ी। ग्राम सभा के समापन के बाद ग्रामीणों, श्रमिकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने तिरंगे के साथ रैली निकाली। रैली के माध्यम से विकसित भारत ग्राम संकल्प, ग्रामीण रोजगार और विकास का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित एवं आत्मनिर्भर गांव के निर्माण में अपनी भागीदारी का संकल्प लिया।

अतिथि व्याख्याता हेतु संक्षिप्त विज्ञापन

शासकीय महाविद्यालय डॉ. वा. बा. पाटणकर कन्या स्नाकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) में रिक्त सहा. प्राध्यापक / प्राध्यापक पद के विरूद्ध वाणिज्य, राजनीति विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, मूलिकला, नृत्य (भरतनाट्य) विभाग में एक-एक पद और गुरुविज्ञान विभाग में दो पदों में अतिथि व्याख्याता/अतिथि शिक्षण सहायक हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं, आवेदन दिनांक 29.08.2026 को शाम 05 बजे तक पंजीकृत डाक से अथवा स्वयं महाविद्यालय कार्यालय में उपस्थित होकर सम्मत प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र जमा कर पावती प्राप्त करें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोट:- विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड एवं महाविद्यालय की वेबसाइट (<https://govtgirlscollegepurarg.ac.in>) में अपलोड किया गया है। जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

शासकीय डॉ. वा. बा. पाटणकर कन्या स्नाकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त के निर्देशानुसार मुखबार को जो नगर क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड 07 राधिका नगर क्षेत्र में निगम की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में गीले एवं सूखे कचरे को पृथक नहीं रखने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाने चालानों कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 6700 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। कार्रवाई के तहत इंडियन कंपनी हाउस की गीला-सूखा कचरा पृथक नहीं रखने पर 3000 रुपये, उठक बैठक शॉप पर खुले 1000 में पानी जमा पाए जाने पर 1000 रुपये तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के जाले पर 1000 रुपये, ला पिनी पिज्जा पर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर 1000 रुपये तथा अमृत तुल्य चाय सेंटर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये का जुर्माना लगाया गया नगर निगम द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों एवं नागरिकों से अपील की गई है कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखें।

नगर पालिक निगम भिलाई की

बैठक में निगम क्षेत्र की दुकानों एवं भवनों के किरियारा निर्धारण की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्देश दिया कि दुकानों एवं भवनों का निगमनुसार किरियारा निर्धारित किया जाए, जिससे निगम की आय में वृद्धि हो सके। निगम की आय के स्रोतों को मजबूत करने के लिए राज्यस्तर से जुड़े कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। कुरुद में स्थापित डॉंग हाउस की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डॉंग हाउस को एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ किया जाए तथा वहां आवश्यक संयोजन, साफ-सफाई और संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगरस्थान योजना के तहत समर्थ शिक्षा एवं स्वामी आत्मनंद स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करने के संबंध में भी चर्चा की गई। आयुक्त ने कहा कि स्कूलों में ऐसी व्यवस्थाएं प्रसारित की जाएं, जिससे बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

हरिभूमि न्यूज ►► | मिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के वार्ड 23 में दादर रोड की जर्जर हालत को लेकर रहवासियों की परेशानी अब जल्द दूर होने की उम्मीद है। सड़क की बदहाल स्थिति और जगह-जगह बने

गड्डों को लेकर नगर निगम युक्त को शिकायत पत्र सौंपकर नाल मरम्मत और सुधार कार्य की की गई थी। आयुक्त डीएस पूत ने सड़क को सुधारने की वार्ड के निर्देश दिए हैं। दादर रोड के मुख्य मार्ग पर लंबे य से बड़े-बड़े गड्डे होने के कारण न चालकों और पैदल राहगीरों को गानी का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आह्वान पर दुर्ग संभाग संगठन द्वारा लम्बित महंगाई राहत भुगतान की मांग को लेकर आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन उपरांत दुर्ग संभागायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा एक जनवरी 2026 से देय दो प्रतिशत महंगाई राहत आज निर्दोक्त केंद्र राज्य सरकार ने स्वीकृत नहीं किया है जबकि भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के द्वारा लगातार अपेक्षा के फलस्वरूप मध्यप्रदेश सरकार ने दस हजार करोड़ रुपए की देनदारी की पहली किस्त के रूप में दो हजार करोड़ रुपए छत्तीसगढ़ को चार माह पहले ही वापस कर दिया है इसके बाद भी महंगाई राहत भुगतान रोकें जाने से बुजुर्गों पेंशनरी में निराशा व्याप्त है।

जापान सौंपने वालों में टी पी सिंह प्रदेश संगठन मंत्री, बी एल गजपाल सांभगी अध्यक्ष, बी के वामणी जिला अध्यक्ष, राजेश तिवारी सांभगीय महामंत्री, पी आर साहू जिला महामंत्री, बी के शर्मा संगठन मंत्री, आर एल ठाकुर, के पी देशमुख, एल पी सोनी, साहित्य भार्या वामा, चारुश्याम देवीगन, पुष्पा साव, ए के कनेरिया, प्रो महेश चंद्र शर्मा, नरसिंह पटेल, बालोद जिले से हलदर गंगबोडर, जे पी शर्मा, अशरफ खान आदि बड़ी किस्त में सदस्य शामिल रहे।

शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए किश जारहे लेप्टी कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि इससे वाहन चालकों को सुगम आवागमन को सुविधा मिलेगी और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। बैठक में चंग-मौर्या के सामने प्रस्तावित इकायेजिक फूड जोन के नियमन एवं आबंधन के संबंध में भी चर्चा को गई। आयुक्त ने संविष्टित अधिकारियों को आवश्यक तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि फूड जोन को नियमित वस्तुतः रूप से विकसित कर इसका लाभ लोगों को मिल सके। आयुक्त ने भुगतान से होने वाले परम्प, पाइप लाइन, विस्लि कार्यों, वाहनों, उद्यानों के संधारण सहित अन्य नर्ममत्त कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केन्द्रों में आवश्यक संधारण कार्य करने तथा वहां नागरिकों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

गौशाला के संचालन एवं रखरखाव की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। गौशाला में साफ-सफाई, रखरखाव एवं आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाए। समीक्षा के वाहनों में होने वाली इंधन खपत की भी निम्नता की गई। आयुक्त ने वाहनों के उपयोग एवं संचालन की नियमित निगरानी करते हुए इंधन की खपत कम करने के निर्देश दिए। साथ ही वाहनों के संधारण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि वाहन बेहतर स्थिति में रहें और अनावश्यक खर्च को नियंत्रित किया जा सके।

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की छमाही बैठक और वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 21 अगस्त को 11 बजे भिलाई इस्पात संयंत्र के 'मानव संसाधन विकास केन्द्र' स्थित भूतल सभागार में किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग चित्त रंजन महापात्र करेंगे। विशिष्ट अतिथि के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार होंगे। उल्लेखनीय है कि, केन्द्र सरकार के समस्त उपक्रमों, प्रतिष्ठानों, विभागों, बैंक, बीमा आदि में राजभाषा हिंदी में समस्त कार्यालयीन कामकाज सुनिश्चित करने व इनके मध्य सभाषा के लिए देश भर में 592 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों' का गठन किया गया है।

हारसिंग बोर्ड फिनिव निरिदर के पास एह हंडैपप लगन के भी स्वीकृति निगम आयुक्त द्वारा दी गई हई। क्षेत्रवासियों के मुताबिक इस एह सप्ताह के और स्थिति बिपर जाने की बात कही गई हई। हंडैपप लगने से आसपास के लोगो की पेयजल की सुविधा मिलने की उम्मीद हई। सड़क और पेयजल समस्या के समाधान के लिए की गई पहल पर वार्डवासियों ने निगम प्रशासन की आभार जताया। इस दौरान मनोज अहड़ा, कृष्णाकंत शर्मा, परमजोति सिंह, गोपाल तिवारी, पीयूष देवान, नीरज चंदवंशी और अनिल चौधरी सहित अन्य क्षेत्रवासियों मौजूद रहें।

प्रो. डॉ. ए.के. चौरसिया | **डॉ. एस. चौरसिया**
एम.डी., (होम्योपैथी मेडिसिन) | एम.एस., (पाईल्स रोग विशेषज्ञ)
 8982316464, 9630634468

(NABH से मान्यता प्राप्त अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल) के

दिनांक : 22 अगस्त 2026, शनिवार

समय : दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

**स्थान : चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल,
नेहरू नगर, प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम, भिलाई, दुर्ग**

कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श पाएं, चिंता मुक्त हो जाएं

कैंसर रोग विशेषज्ञ

सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
एमडीएस (ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
FIBCSOMS (Head & Neck)

यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण है तो आज ही डॉक्टर से मिलें

- स्तन में गाँठ
- असामान्य गाँठ का उभार
- मुँह में बदलाव या आवाज में भारीपन
- निगलने में कठिनाई
- लगातार ख़ाँसी, सिरदर्द या बदन दर्द
- ठीक न होने वाले छाले/घाव
- बार-बार बख़्शार या संक्रमण

- पेट में दर्द या जी मचलना
- पेट फूलना • खून की कमी
- त्वचा (स्किन) में बदलाव
- वजन में बिना कारण कमी
- मल या मूत्र त्यागने की आदतों में बदलाव
- मासिक धर्म चक्र में बदलाव या पेट के निचले हिस्से में दर्द

अपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें : 8871663478

☎ 8282824444

 balcomedicalcentre.com



● स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव व महिला आयोग अध्यक्ष डॉ ममता साहू कथा सुनने पहुंचे

भाग्य को बदलने के लिए केवल मंदिर जाना, तीर्थ करना या कथा सुनना पर्याप्त नहीं, कर्म से बनाएं जीवन को उत्तम

भाग्य को बदलने के लिए केवल मंदिर जाना, तीर्थ करना या कथा सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसके जीवन की दिशा तय होती है। इसलिए कर्म को प्रधान मानते हुए ईश्वर का स्मरण करना चाहिए। यह बातें अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने जयंती स्टेडियम में चल रही शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन कही।

भिलाई। बोल बम सेवा व कल्याण समिति की ओर से आयोजित कथा में उन्होंने कहा कि भाग्य लिखने वाला कोई विधाता नहीं, बल्कि हमारा कर्म है। हम किस तरह का कर्म कर रहे हैं, यह हमारे हाथ में है। शिवमहापुराण, रामायण और गीता भी यही संदेश देती हैं कि मनुष्य कर्म करे और भजन करे तो उसके लिए सफलता के मार्ग खुलते जाते हैं। कर्म किए बिना अपने दुखों के लिए परमात्मा को दोष देना उचित नहीं है। कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की ऐसी भीड़ उमड़ी कि जयंती स्टेडियम में बनाए गए पांचों विशाल पंडाल भी कम पड़ गए। हजारों लोग पेड़ों की छांव और सड़क किनारे बैठकर कथा सुनते नजर आए। कथा की शुरुआत से पहले व्यासपीठ का पूजन बोल बम सेवा व कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव सपलीक, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू सहित अन्य अतिथियों ने किया



माता-पिता केवल इसी जन्म में मिलते हैं

पंडित मिश्रा ने माता सती और भगवान शिव के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि संसार में पत्नी, संतान और अन्य रिश्ते-नाते पूर्व कर्मों के आधार पर मिलते हैं और अलग-अलग जन्मों में इनका संबंध बन सकता है, लेकिन माता-पिता का रिश्ता इस जन्म में एक ही बार मिलता है। इसलिए माता-पिता के प्रति सम्मान और कर्तव्य को जीवन में सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

गंगा के अवतरण से 60 हजार पूर्वजों का हुआ उद्धार

कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की कथा सुनाते हुए कहा कि भागीरथी की तपस्या और प्रार्थना के बाद जब गंगा पृथ्वी पर आने को तैयार हुई तो उन्हें अपने वेग पर अहंकार हो गया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर कोई ऐसा नहीं है, जो उनके प्रचंड वेग को संभाल सके। भागीरथी ने ब्रह्मा जी से सहायता मांगी, लेकिन उन्होंने भी भगवान शिव की शरण में जाने की सलाह दी। इसके बाद भागीरथी ने महादेव से प्रार्थना की। पंडित मिश्रा ने बताया कि गंगा के प्रचंड वेग को भगवान शिव ने अपनी जटाओं में धारण कर लिया। शिवजी ने पहले गंगा को हृदय से लगाया, जिससे उनका क्रोध शांत हुआ और फिर अपनी जटाओं में समाहित कर लिया। लंबे समय बाद गंगा को पृथ्वी पर प्रवाहित किया गया। इसी के माध्यम से भागीरथी के 60 हजार पूर्वजों का उद्धार हुआ और उन्हें मुक्ति प्राप्त हुई।

पंडाल कम पड़े, पेड़ और सड़क किनारे बैठी भीड़

चौथे दिन श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक रही कि पांचों विशाल पंडाल भर गए। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग पेड़ों के नीचे, सड़कों के किनारे और उपलब्ध स्थानों पर बैठकर कथा सुनते रहे। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से अपील करवाई गई कि श्रद्धालु पंडाल के भीतर प्रवेश का प्रयास न करें और जहां स्थान मिले, वहीं बैठकर कथा का श्रवण करें। पंडाल भर जाने के कारण वीवीआईपी गेट नंबर-1 स्थित भोलेनाथ प्रवेश द्वार को सुबह करीब 11 बजे बंद करना पड़ा, जबकि गेट नंबर-2 से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया।

मेहनत के बाद भी सफलता से चूक रहे तो शिवालय जाएं

पंडित मिश्रा ने नीट, सीए, आईएएस सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में एक-दो नंबर से सफलता से चूकने वाले विद्यार्थियों को भी आध्यात्मिक उपाय बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करें और यदि इसके बावजूद थोड़े अंकों से सफलता नहीं मिल रही है तो सुबह उठकर एक लोटा जल लेकर शिवालय जाएं। उन्होंने कहा कि मेहनत के साथ आस्था और सकारात्मक संकल्प रखने से सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा।



शादी दिखावे की नहीं, संस्कारों की हो

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए आज के दौर में बढ़ते प्री-वेडिंग फोटो शूट और खचीली शादियों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विवाह धन और वैभव के प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कारों का बंधन है। युवाओं को अपनी और अपने माता-पिता की परिस्थितियों को समझते हुए विवाह करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को महंगी कार देने से अधिक जरूरी उन्हें अच्छे संस्कार देना है। कथा पंडाल में मौजूद हजारों युवाओं ने भारत की मर्यादा और संस्कृति को बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

लाइव इवेंट

द्वादश ज्योतिर्लिंग महारुद्र अभिषेक कर शिवभक्ति से सराबोर हुए भक्त



भिलाई। सावन और नागपंचमी के अवसर पर सतरूपा शीतला मंदिर परिसर में मां शक्ति स्वरूपा समिति दुर्गा द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग महारुद्र अभिषेक का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवभक्ति में सराबोर रहा। भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूपों को एक साथ स्थापित कर विधि-विधानपूर्वक अभिषेक किया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। भिलाई के ज्योतिषाचार्य पंडित हेमंत शर्मा एवं उनकी टीम के विद्वान आचार्यों ने शास्त्रोक्त विधि से महारुद्र अभिषेक कराया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में शामिल होकर जल, दुग्ध एवं पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया और भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग महापौर अलका बाघमार, दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, पूर्व विधायक अरुण चोरा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं व्यापारी कैलाश बरमेचा, उनकी धर्मपत्नी मंजू बरमेचा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर पूजा-अर्चना में सहभागिता की। समिति की संयोजिका डॉ. भावना दिवाकर ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं, आचार्यों, सहयोगियों और समिति की सदस्यों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और आपसी एकता से जोड़ने का कार्य करते हैं। आयोजन में कुलविंदर कौर, गीता वर्मा, रिकी साहू, वारुणी डेहरे, बसंती साहू, रंजीता, मीनू मिंज, पार्वती पंडित, रजनी मिश्रा, अर्चना साहू, विभा मिश्रा, श्वेता साहू, श्रद्धा साहू, शीतल तिवारी, प्रीति, साधना शर्मा, खुशबू सिंह सहित समिति की सदस्यों का योगदान रहा।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य पर महिलाओं को किया जगरुक

भिलाई। शंकर नगर शिव मंगल भवन में अध्यक्ष शोभना यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा धात्री और गर्भवती महिलाओं के लिए गोद भराई और अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पारंपरिक रूप से महिलाओं एवं बच्चों को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 11 की कार्यकर्ता विजय लक्ष्मी, कृष्णा तिवारी एवं शांदा ताम्रकार, सहायिका सुजाता रामटेके, आशा यादव एवं शांति राजपूत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए बाल भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में माताओं और बच्चों के लिए अपनापन एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला।



संगीत, नृत्य और वादन के फाइनल में पहुंचे सियान प्रतिभागी, 22 अगस्त को होगा समापन

भिलाई। उम्र के पड़ाव को पीछे छोड़ते हुए सियान महोत्सव में वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और उत्साह का शानदार प्रदर्शन किया। शांति नगर सियान सदन में 15 अगस्त से शुरू हुए महोत्सव में संगीत, नृत्य, वाद्य वादन और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में सियान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। संगीत और नृत्य प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन फाइनल के लिए किया गया है। प्रतियोगिता का फाइनल 22 अगस्त को शाम 4 बजे से स्वामी विवेकानंद भवन, स्मृति नगर में आयोजित होगा। संगीत प्रतियोगिता में जूनियर सियान वर्ग (50 से 60 वर्ष) में अलका, तेज प्रताप, तस्लीम खान, वैशाली, कल्पना सोनी एवं सीता यादव का चयन फाइनल के लिए किया गया। सीनियर सियान वर्ग (61 से 70 वर्ष) में कमल कुमार अग्रवाल, चित्तरंजन दास, दीपति दास, प्रेमचंद, सुधा वाष्णंय, हेमंत कुमार चौहान, विजय कुमार, संतोष



शुक्ला, कांत पटेल, जोसेफ, आभा गुप्ता, सुधीर वैश्य, मंदा वंसकार, सुरेश कुमार एवं सुनील सोनी ने फाइनल में स्थान बनाया। सुपर सीनियर सियान वर्ग में 80 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों में भारत लाल मोगरे, अंजुला भार्गव, दीपक ताहिल, शरद चंद्रगुप्त, एम. जैन, कब गोसाई, प्रदीप गुप्ता एवं माधुरी अग्रवाल का चयन किया गया। वहीं इंस्ट्रूमेंट वादन प्रतियोगिता में दीपक ताहिल, रामानी, भारत लाल मोगरे एवं सुरेश कुमार फाइनल के लिए चयनित हुए। नृत्य प्रतियोगिता में डॉ. पूर्णिमा लाल, माया बुलबुले, कमल चक्रवर्ती एवं शोभा

बाजपेयी का चयन फाइनल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन अरोड़ा कॉम्प्लेक्स, वैशाली नगर में किया गया। 60 से 70 वर्ष आयु वर्ग में सुनील कुमार सोनी ने प्रथम, विजय गोयल ने द्वितीय और यतींद्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में सुभाष चंद्र टुट्टेजा प्रथम, प्रदीप कुमार सूद द्वितीय और रामनिवास अग्रवाल तृतीय रहे। महिला वर्ग में 50 से 60 वर्ष आयु वर्ग में वैशाली ने प्रथम, कल्पना सोनी ने द्वितीय और तृपति अग्रवाल ने तृतीय स्थान हासिल किया।

हरियाली से संवरेगा शहर, पौधों की सुरक्षा का भी लिया संकल्प

भिलाई। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हराभरा बनाने के उद्देश्य से सिंधिया नगर, दुर्ग की सुभाष वेलफेयर सोसाइटी ने दुर्गा पूजा मैदान में पौधारोपण अभियान चलाया। अभियान के दौरान सोसाइटी के सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया। सदस्यों ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की सुरक्षित रखना भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सुबह सोसाइटी के सदस्य दुर्गा पूजा मैदान में एकत्र हुए। यहां सामूहिक रूप से पौधारोपण कर परिसर को स्वच्छ, सुंदर और हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया गया। पौधों को सुरक्षित रखने के लिए उनके चारों ओर लोहे की जाली भी लगाई गई, ताकि पौधों को नुकसान से बचाया जा सके। अभियान के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को



पौधारोपण के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया।

सोसाइटी के सदस्यों ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के बीच हरियाली को बचाए रखना समय की जरूरत है। शहर में अधिक से अधिक पौधे लगाए जाने के साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी सामूहिक रूप से निभाई जानी चाहिए। इसी उद्देश्य से सोसाइटी द्वारा पौधों की सुरक्षा और परिसर की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

सेक्टर-7 पीस ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय योग एवं तपस्या का हुआ समापन

दूसरों से सम्मान, प्रेम और खुशी मांगें नहीं, निस्वार्थ भाव से बांटें, सावन में अवगुणों का करें त्याग



पर कृपा करते हैं। उसी भावना को अपने जीवन में अपनाते हुए परमात्मा से शक्ति लेकर दूसरों को सम्मान, सुख, शांति, प्रेम और खुशी का दान करना चाहिए।

सावन में अवगुणों का करें त्याग: सूरज भाई ने पवित्र सावन मास का आध्यात्मिक संदेश देते हुए कहा कि भगवान शिव को जल अर्पित करने के साथ अपने भीतर के क्रोध, लोभ और लालच जैसे अवगुणों का भी त्याग करना चाहिए। उन्होंने साधकों से अपने मानस



कार्नर न्यूज

भिलाई। जीवन में हर व्यक्ति सम्मान, प्रेम, खुशी, स्नेह और शांति चाहता है, लेकिन अक्सर इन भावनाओं की अपेक्षा वह दूसरों से करता है। जबकि वास्तविक सुख तब मिलता है, जब हम बिना किसी स्वार्थ के इन्हें दूसरों के जीवन में बांटना शुरू करते हैं। यह संदेश वरिष्ठ राजयोग शिक्षक एवं पीस ऑफ माइंड चैनल के कार्यक्रम समाधान के मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमार सूरज भाई ने सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय योग एवं तपस्या कार्यक्रम अचल-अडोल स्थिति के समापन अवसर पर दिया।

माउंट आबू से पहुंचे सूरज भाई ने कहा कि सम्मान, प्रेम और खुशी ऐसी चीजें नहीं हैं, जिन्हें मांगकर प्राप्त किया जा सके। इन्हें दूसरों को देने की भावना विकसित करने पर ही जीवन में स्थायी सुख और शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में देवी-देवताओं और भगवान को वरदाता के रूप में पूजा जाता है, जो बिना किसी अपेक्षा के सभी

सिटी इवेंट

आज से बरसेगा रिमझिम सावन का रंग, होंगे विविध आयोजन



दुर्ग। सावन के उल्लास और महिलाओं की सहभागिता को समर्पित नगर निगम दुर्ग का बहुप्रतीक्षित रिमझिम सावन उत्सव 21 अगस्त शुक्रवार से शुरू होगा। नगर निगम ने आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। तीन दिन तक चलने वाले इस उत्सव में महिलाओं के लिए मनोरंजक खेल, प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। रिमझिम सावन का शुभारंभ समाज सेविका कौशल्या देवी साय की मुख्य आतिथ्य में होगा। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. सरोज पाण्डेय अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। अध्यक्षता नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार करेंगी। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आयोजित तैयारियों की बैठक में सांस्कृतिक विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन और महिला व बाल विकास विभाग प्रभारी शशि साहू ने महिला पार्षदों तथा निगम अधिकारी-कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। उत्सव में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, आलू दौड़, कंचा-चम्मच दौड़ और बिंदी लगाओ प्रतियोगिता सहित कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की इच्छुक महिलाएं सुबह 9 बजे से 10.30 बजे तक पंजीयन करा सकेंगी। वहीं सावन क्वीन-2026 फैशन शो आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसमें प्रतिभागियों को भारतीय वेशभूषा और पारंपरिक परिधान में शामिल होना होगा। रिमझिम सावन उत्सव में महिलाओं के लिए विशेष मंच तैयार किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक स्टॉल, खेलकूद प्रतियोगिताएं और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

एजुकेशन इवेंट

बीआईटी दुर्ग में छग की पहली स्पोकन ट्यूटोरियल स्किल एक्सेलेरेटर लैब शुरू



दुर्ग। भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बीआईटी दुर्ग ने तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में नई पहल करते हुए छत्तीसगढ़ की पहली स्पोकन ट्यूटोरियल स्किल एक्सेलेरेटर लैब का शुभारंभ किया। यह लैब एडुपिरामिड्स, साईन और आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से स्थापित की गई है। लैब का उद्देश्य विद्यार्थियों को ओपन-सोर्स तकनीकों और उभरती डिजिटल तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि वे उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तकनीकी रूप से दक्ष हो सकें। लैब का उद्घाटन ट्रेनिंग मैनेजर नीलम के ने किया। कार्यक्रम में बीआईटी के प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा, उप-प्राचार्य डॉ. एस.के. जायसवाल, सूचना प्रौद्योगिकी विभागध्यक्ष डॉ. एनी थॉमस, विभाग के संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा ने कहा कि यह विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी कौशल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उप-प्राचार्य डॉ. एसके जायसवाल व आईटी विभागाध्यक्ष डॉ. एनी थॉमस ने विद्यार्थियों से लैब की सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। लैब की स्थापना में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक बबिता वर्मा को महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धर्म लाइव

बाबाधाम के लिए रवाना हुआ कांवरियों का जत्था, स्टेशन में गूंजा जय घोष



दुर्ग। वैद्यनाथ धाम में गंगाजल अर्पित करने की आस्था को परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी शिवनाथ बोलबम कांवरिया समिति दुर्ग के शिवभक्त कांवरियों का बड़ा जत्था रविवार की सुबह साउथ बिहार एक्सप्रेस से बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। समिति के संयोजक एवं पूर्व सभापति दिनेश देवांगन के नेतृत्व में निकली यह कांवर यात्रा कोविड काल को छोड़कर लगातार 20वें वर्ष आयोजित की जा रही है जिसमें 90 से अधिक कांवरियां पद यात्रा के लिए निकलते हैं। वहीं जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में कांवरिए बाबाधाम के लिए रवाना हुए। कांवरियों के प्रस्थान के दौरान दुर्ग रेलवे स्टेशन परिसर 'बोलबम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा बाबा धाम जाने वालों में समिति के संयोजक निगम के पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश दीक्षित,पार्षद युवराज कुंजाम,पूर्व पार्षद दिलीप साहू सहित बड़ी संख्या में कांवरिए शामिल हैं। दिनेश देवांगन ने कहा कि बाबाधाम कांवर यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भगवान शिव के प्रति आस्था, श्रद्धा और संकल्प की यात्रा है इसके बिना जीवन का सफर अधूरा लगता है।इसलिए एक बार जाने के बाद ज्यादातर शिव भक्त बार बार बाबा धाम जाते है शिवनाथ बोलबम कांवरिया समिति द्वारा पिछले 20 वर्षों से लगातार इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पवित्र सावन माह में बाबाधाम यात्रा का बड़ा पुण्य महत्व है देश दुनिया से लाखों शिवभक्त कांवरिए बिहार के सुल्तानगंज पहुंचकर पवित्र उत्तर वाहिनी गंगा नदी से गंगाजल लेकर खुले पांव झारखंड के देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ धाम तक लगभग 120 किलोमीटर की दूराम पदयात्रा कर बाबा वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग में गंगाजल अर्पित करते है जिसका मानव जीवन के लिए बेहद महत्व है। बाबाधाम यात्रा में रंविशंकर जीवम, नरेंद्र सोनी, उत्तम साहू, राजेंद्र यादव, तुकाराम साहू, विनय मानकर, मन्मलाल साहू, लक्की साहू, नंदू साहू, शिव राजपूत, सिद्धांत शर्मा आदि शामिल हैं।

छग श्रोता मंच का कलामंदिर में अभा रेडियो श्रोता सम्मेलन का यादगार आयोजन

जब रेडियो की दुनिया के गुजिश्ता दौर के यादगार अनुभवों से भावविभोर हुए सैकड़ों दीवाने श्रोता

भिलाई। टिक्टो - टक्टो के फटाफटा क्रिकेट की तरह मनोरंजक कार्यक्रमों के सतरंगी विजुअल टीवी चैनलों, इंटरनेट और एआई के मौजूदा दौर से परे 70 व 80 के दशक के रेडियो के दौर में सुरिले सदाबहार गीतों और भूले बिसरे नगमों की दीवानगी ही अलग थी। शहरों कस्बों के घरों और नुकड़ के चाय ठेलों से लेकर गांवों के खेत खलिहान तक सुरों के सरताज रफी, स्वरकोकिला लता व सुमन से लेकर छग की लता साधना यादव और अंचल के किशोर बैतलराम साहू के ट्रांजिस्टर पर गूंजते गीतों के जुनूनी श्रोताओं और उद्घोषकों में गजब का उत्साह था। और आज जब इस गुजिश्ता दौर के इंडिया के विभिन्न राज्यों के दीवाने रेडियो श्रोता मिनी इंडिया भिलाई में मिले तो उनकी खुशी का पारावार नहीं था। अवसर था महात्मा गांधी कलामंदिर में आज आयोजित अखिल भारतीय रेडियो श्रोता सम्मेलन का। छग श्रोता संघ के बैनर तले श्रोता दिवस पर हुए दो दिवसीय यादगार आयोजन में 18 राज्यों के तीन सौ से अधिक श्रोता संघों के पदाधिकारियों व प्रतिनिधियों और उद्घोषकों ने रेडियो के कार्यक्रमों के यादगार अनुभवों से भावविभोर कर दिया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल थे और अध्यक्षता प्रदेश भाजपा के प्रांतीय कार्यालय प्रभारी व सूचना प्रसारण विभाग के हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य अशोक बजाज ने की। छग रेडियो श्रोता मंच के संरक्षक परसराम साहू विविध भारती केंद्र मुंजई के डायरेक्टर संतोष जादव,आकाशवाणी रायपुर के डायरेक्टर मेश्राम व उदघोषक दीपक हटवाल थे।



आकर्षक प्रदर्शनीय ने किया मंत्रमुग्ध, सांसद बघेल व बजाज ने किया सम्मानित



श्री बघेल ने उद्बोधन में कहा कि मेरी जन्म व कर्मभूमि भिलाई में देशभर से रेडियो श्रोता संघ के पदाधिकारी इस सम्मेलन में पहुंचे हैं,



इसकी मुझे अतीव प्रसन्नता हो रही है। हम सबके बड़े होने तक मनोरंजन के माध्यम में ग्रामोफोन से लेकर वीडियो व और अब नेट तक कई बदलाव हुए हैं लेकिन रेडियो की महता आज भी कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रेडियो श्रोता इसी तरह अपनी दोस्ती बढ़ाते रहे और अपने उत्साह को कम न होने दें। सांसद फूल खिलते हैं. गीत भी सुनाया। श्री बजाज ने कहा कि रेडियो से हमारी सुनहरी यादें जुड़ी हुई हैं। श्रोता संघ देशभर में फैला है। रेडियो श्रोता हिंदी को देश में संपर्क भाषा बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसके जरिए हम पीछम मोर्दी के एक भारत श्रेष्ठ भारत की गंशा को ओर आगे बढ़ सकते हैं। उनकी मन की बात प्रसारण से भी रेडियो की लोकप्रियता बढ़ रही है। हम आज रेडियो के फूहड़ गीतों से नई पीढ़ी के बच्चों को बिगाड़ने के दुष्प्रयासों के खिलाफ भी जनजागरण करेंगे। उन्होंने कहा कि श्रोता व उदघोषक एक दूसरे के पूरक हैं। हम जल्द ही देश में रेडिया श्रोता महासंघ का गठन करेंगे, इसके लिए श्रोता अपने नाम पते दें, ताकि रूपरेखा तैयार की जा सके। मंचस्थ अतिथियों ने श्रोता संघों के पदाधिकारियों को स्मृतिचिह्न देकर सम्मान किया। श्री बघेल व श्री बजाज व छग श्रोता मंच आयोजन समिति के अशोक श्यामकुंवर, तारक सत्यदेव, डा. नौशाद सिद्दीकी, प्रताप पांडेय, आनंद मोहन बाह्मन,मुकेश शर्मा, कृष्णचंद सोनी, रविलाल सूर्यवंशी, प्रदीप भट्टाचार्य, ललित बिजौरा आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन तारक सत्यदेव ने किया।

मिली नई जिम्मेदारी

छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण महिला ब्राह्मण समाज की नई कार्यकारिणी गठित

दुर्ग। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण महिला ब्राह्मण समाज दुर्ग की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें अर्पणा तिवारी को अध्यक्ष, तनु मिश्रा को सचिव और रानी उपाध्याय को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कार्यकारिणी ने समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में भारती दुबे, अनिता पांडेय और संगीता शर्मा को संरक्षक बनाया गया है, वहीं सरिता मिश्रा एवं किरण मिश्रा उपाध्यक्ष, ममता तिवारी सह सचिव तथा सुषमा तिवारी सहकोषाध्यक्ष नियुक्त की गई हैं। विशेष सलाहकार के रूप में शकुंतला चौबे एवं शीला चौबे को जिम्मेदारी दी गई है। सांस्कृतिक सचिव के रूप में श्वेता शुक्ला, राजेश्वरी मिश्रा, संगीता मिश्रा, आभा शर्मा एवं निधि शर्मा को शामिल किया गया है। संगठन सचिव की जिम्मेदारी विजयलक्ष्मी दुबे, मंजुलता मिश्रा, दुलारी शर्मा, रंजना शर्मा, तारणी दीवान, ममता पांडेय एवं आरती दीवान को सौंपी गई है। मीडिया प्रभारी के रूप में किरण तिवारी एवं सपना शर्मा तथा धार्मिक पोस्ट प्रभारी के रूप में आशा चौबे, प्रभा शर्मा एवं भारती दीवान को नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मिली शर्मा, अंजु शुक्ला, आशा



■ अर्पणा तिवारी अध्यक्ष, तनु मिश्रा सचिव और रानी उपाध्याय बनी कोषाध्यक्ष

शर्मा, कृष्णा मिश्रा, नीलिमा पांडेय, प्रशिला शर्मा, सीमा शर्मा, मीना शर्मा, अनिता दीवान, ममता शुक्ला, ज्योति उपाध्याय, कीर्ति शर्मा, रोशनी चौबे, अंजु दीवान को शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने समाज के वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज हित में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने, महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूत करने का संकल्प लिया। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी।

काशी की शास्त्रार्थ परंपरा से गूंजा ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव

शास्त्र केवल ज्ञान नहीं, जीवन को अनुशासित करने का मार्ग

भिलाई। छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव में पहली बार काशी की शास्त्रार्थ परंपरा पर विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्कृत प्रेमियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। व्याकरण शास्त्र पर केंद्रित इस पांडित्यपूर्ण संवाद में पूर्व पक्ष और उत्तर पक्ष के माध्यम से शास्त्रीय विमर्श किया गया। शास्त्रार्थ की अध्यक्षता काशी के आचार्य डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी ने की। पूर्व पक्ष का और से युवा पंडित हर्ष मित्र और उत्तर पक्ष से युवा पंडित अम्बरीश तिवारी ने अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। दोनों युवाचार्यों ने विभिन्न प्रमाणों के आधार पर व्याकरण शास्त्र के सिद्धांतों को रखते हुए परंपरागत शास्त्रार्थ पद्धति के माध्यम से विषय को स्पष्ट किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में आचार्य डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी ने कहा कि जो शास्त्र जीवन को सुखपूर्वक अनुशासित करे, वही शास्त्र है। उन्होंने कहा कि शास्त्र केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित और संस्कारित करने का मार्ग है। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय परंपराएं समाज में शांति, आनंद और सद्भाव को बढ़ावा देती हैं। इस गौरवशाली परंपरा



का संरक्षण और संवर्धन करना सभी का पुनीत कर्तव्य है। उन्होंने छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि संस्थान आगे भी संस्कृत और संस्कृति की निरंतर सेवा करता रहेगा। कार्यक्रम का संयोजन संस्थान के सचिव डॉ. मनीष शर्मा ने किया। संस्थान की ओर से पिछले सात-आठ दिनों से लगातार ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर संस्कृत प्रेमियों को जोड़ा जा रहा है। इससे एक दिन पहले छत्तीसगढ़ी भाषा पर संस्कृत का प्रभाव विषय पर दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदांगंव के प्रो. ललित प्रधान का व्याख्यान हुआ। इस दौरान आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा की पुस्तक छत्तीसगढ़ में संस्कृत का भी उल्लेख किया गया, जिसकी संस्कृत प्रेमियों ने सराहना की। संस्थान के अध्यक्ष आचार्य नवीन शर्मा, संगठन सचिव आचार्य मुकेश चौबे, दुर्ग जिला संरक्षक आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा, खैरागढ़ जिला संयोजिका डॉ. पूर्णिमा केलकर, दुर्ग जिला संयोजक हेमंत शर्मा, रायपुर से उर्मि देवी, डॉ. निमला पांडेय, डॉ. रूपेंद्र तिवारी तथा संस्कृत भारती के डॉ. दादूभाई त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

विद्यार्थियों की पहल से तीन दिनों तक चला राखी संदेश अभियान

1111 राखियों में गूंजा राष्ट्रप्रेम, जवानों के नाम भेजे स्नेह के रक्षा सूत्र आर्मी मुख्यालय भेजी जा रही हैं संग्रहित और हस्तनिर्मित राखियां

कार्नर न्यूज

भिलाई। देश की सीमाओं की रक्षा में समर्पित वीर जवानों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता व्यक्त करने के उद्देश्य से केंद्रीय विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष पहल की है। विद्यार्थियों द्वारा 1111 राखियां एकत्रित की गई हैं, जिनमें उनके द्वारा स्वयं तैयार की गई हस्तनिर्मित राखियां भी शामिल हैं।इन राखियों को आर्मी मुख्यालय भेजा जा रहा है, ताकि देश के वीर सैनिकों तक विद्यालय परिवार की ओर से स्नेह, शुभकामनाएं और राष्ट्रप्रेम का संदेश पहुंच सके। विद्यार्थियों द्वारा उनके लिए तैयार और एकत्रित की गई ये राखियां सैनिकों के प्रति सम्मान की भावपूर्ण अभिव्यक्ति हैं। शिक्षकों ने कहा कि राखी मले ही एक सैनिक की कलाई पर बंधेगी, लेकिन उसमें बंधा स्नेह पूरे राष्ट्र की ओर से होगा।



विद्यार्थियों के बीच ऐसा भावनात्मक जुड़ाव राष्ट्र की एकता और राष्ट्रीय चेतना को करता है मजबूत

विद्यालय की प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में देशप्रेम के साथ संवेदनशीलता, रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और उत्साह को राष्ट्रसेवा की भावना से जोड़कर एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया है। वरिष्ठ शिक्षक रामाश्री चौहान ने कहा कि सैनिकों के प्रति सम्मान केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अपने हाथों से राखियां बनाकर उन्हें जवानों तक भेजना विद्यार्थियों के मन में सैनिकों के प्रति अपनत्व और कृतज्ञता को और गहरा करता है। एनसीसी अधिकारी एम.के. भारद्वाज ने कहा कि सैनिकों और विद्यार्थियों के बीच ऐसा भावनात्मक जुड़ाव राष्ट्र की एकता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करता है। इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा, साहस और राष्ट्रप्रेम के संस्कार विकसित करती हैं। फरहान हलीम ने कहा कि राखियां तैयार करते समय विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। बच्चों के मन में यह भावना थी कि वे अपने हाथों से देश के उन वीर जवानों के लिए कुछ भेज रहे हैं, जो अपने परिवार से दूर रहकर करोड़ों देशवासियों की सुरक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर निकिता रूपवानी और भारती देवांगन की सहभागिता भी रही। डॉ. अजय आर्य ने कहा कि विद्यार्थियों ने रंगीन धागों, मोतियों और विभिन्न सजावटी सामग्रियों का उपयोग करते हुए आकर्षक राखियां तैयार कीं। कहीं रचनात्मकता थी, कहीं उत्साह और हर राखी में सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना दिखाई दी।

हर राखी में एक संदेश

विद्यालय के विद्यार्थियों की यह पहल केवल राखियां भेजने तक ही नहीं, बल्कि यहां देश के जवानों के साथ भावनात्मक रिश्ता जोड़ने का प्रयास किया गया। 1111 राखियां केवल एक संख्या नहीं, बल्कि 1111 स्नेह संदेश हैं। ये रक्षा सूत्र देश के वीर सैनिकों से कह रहे हैं कि वे सीमा पर अकेले नहीं हैं, पूरा देश उनके साथ खड़ा है। इन राखियों में बच्चों के हाथों की कला है, हृदय का स्नेह है और राष्ट्र के प्रति अटूट सम्मान है। बच्चों की यह पहल रचनात्मकता, संवेदना और राष्ट्रमकित का संकल्प दिखाई दिया जो विद्यार्थियों के साथ साथ सैनिकों के लिए भी अविस्मरणीय स्मृति बनेगा।

सिटी स्पोर्ट्स

नेशनल जूनियर फुटबॉल टीम
मिलाई से गगन और प्रत्युष



भिलाई। भिलाई यूनाइटेड फुटबॉल अकादमी के खिलाड़ी गगन प्रधान और प्रत्युष मचखंडे ने छत्तीसगढ़ की अंडर 15 फुटबॉल (जूनियर) टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। कोरबा में खेले गये इंटर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल चैंपियनशिप में दोनों ने दुर्ग जिले का प्रतिनिधित्व किया था जिसके आधार पर उनका चयन कोचिंग कैम्प के लिये हुआ। यहां 15 दिन के प्रशिक्षण शिविर में दोनों ने हिस्सा लिया। इसके बाद दोनों का नाम चयन सूची में शामिल किया गया और अब ये छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कोरबा में 30 जुलाई से 3 अगस्त तक खेले गए इंटर डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल चैंपियनशिप में 30 खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। दुर्ग जिले की टीम से इन दोनों खिलाड़ियों ने ही हिस्सा लिया था और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों का चयन हुआ था। उसके बाद 30 खिलाड़ियों का कोचिंग कैम्प कोरबा में लगाया गया था जिसका समापन 19 अगस्त को हुआ। उसके बाद अंतिम 22 खिलाड़ियों का नाम की सूची जारी की गई। जूनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी इस वर्ष नारायणपुर छत्तीसगढ़ को मिली है। यह चैंपियनशिप 25 अगस्त से 9 सितंबर तक नारायणपुर में आयोजित है।

थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा
लेने 12 सदस्यीय दल हुआ रवाना



रायपुर। थाई बॉक्सिंग इण्डियन फेडरेशन के तत्वावधान में तेलंगाना थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा 17वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 21 से 23 अगस्त तक गुरु गोविन्द सिंह स्टेडियम क्रीड़ा संकुल नान्देड़ (महाराष्ट्र) में किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का 12 सदस्यीय दल भाग ले रहा है। जिसमें एकलव्य खेल परिसर, जावंगा, गौदम, दत्तेवाड़ा में पदस्थ खेल एवं युवा कल्याण विभाग दत्तेवाड़ा की कोच टिकेश्वरी साहू को महिला टेक्निकल पैनल प्रभारी घोषित किया है। वहीं महाराष्ट्र के मो अबरार खान पुरुष टेक्निकल पैनल प्रभारी होंगे।

टीम में शामिल खिलाड़ियों में छत्तीसगढ़ से रायपुर से मानसी तांडी, पिंकी गुप्ता, दत्तेवाड़ा लच्छी कोवासी, रामे कवासी, लक्ष्मी सोदी, सुनीता, राजकुमारी, दुर्गा से विक्की भारती और करण चेलक शामिल हैं। वहीं अधिकारियों में अनीस मेमन (रायपुर), टिकेश्वरी साहू (दत्तेवाड़ा) और लक्ष्मी नारायण साहू (दुर्ग) हैं। उल्लेखनीय है कि एसजीएफआई और सीबीएसई आदि खेलों में व्यस्त होने के कारण से कई खिलाड़ियों ने अपना नाम वापस ले लिया। छत्तीसगढ़ थाई बॉक्सिंग दल के खिलाड़ी, अधिकारी गुरुवार को रायपुर से रवाना हुए। रायपुर रेल्वे स्टेशन में थाई बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के परिजनों ने छ ग थाई बॉक्सिंग दल के सदस्यों को परंपरागत तरीके से तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी।

पावर - स्ट्रेथ लिफ्टिंग
चैंपियनशिप कल से

रायपुर। ताम्रकार क्लासिक नेशनल पाँवर लिफ्टिंग और स्ट्रेथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 22 एवं 23 अगस्त को सिंधी धर्मशाला लाखे नगर चौक में किया गया है। स्ट्रेथ लिफ्टिंग छत्तीसगढ़ के महासचिव मानिक ताम्रकार ने बताया कि स्पर्धा के उद्घाटन के मुख्य अतिथि दक्षिण विधानसभा रायपुर के विधायक सुनील सोनी, विशेष अतिथि नगर निगम जोन 5 के अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल होंगे। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर जिला सिविल कोर्ट नैटवर्कर के अध्यक्ष शिव नारायण ताम्रकार, विशेष अतिथि ताम्रकार युवा समाज रायपुर के अध्यक्ष धीरज ताम्रकार होंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों स्ट्रॉन्ग मेन ऑफ इंडिया और स्ट्रॉन्ग वुमेन ऑफ इंडिया के खिताब से नवाजा जाएगा।

इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का
आयोजन कल से बस्तर में

रायपुर। बस्तर जिला जूडो संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय 14वीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन नगर के टाउन हॉल जगदलपुर में 22 अगस्त से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि योगेंद्र पांडेय संरक्षक, ऑल बस्तर जिला जूडो संघ होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हाजी वसीम अहमद, खेल अधिकारी सुशांत पाल, अमित जैन होंगे।

संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए रहिए सावधान

आपकी इम्युनिटी के दुश्मन बिखरे हुए आसपास
वक्त रहते नहीं किया सुधार तो पड़ते रहेंगे बीमार

संक्रामक बीमारियों के खतरे से बचाव के लिए जरूरी है कि आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी सिस्टम मजबूत हो। कोरोना महामारी के दौर में मजबूत इम्युनिटी की आवश्यकताओं के बारे में हम सभी ने अच्छी तरह से समझ लिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना एक सतत प्रक्रिया है, यानी कि इसके लिए आपको निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इम्युनिटी को मजबूत बनाने के लिए आहार और दिनचर्या को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के साथ उन चीजों से बचाव के लिए भी प्रयास करते रहना जरूरी माना जाता है जो इसे नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जानते हैं जिन्हें शरीर की इम्युनिटी के लिए बहुत नुकसानदायक माना जाता है, इससे दूरी बनाना बहुत आवश्यक है।

एडेड शुगर के कई
नुकसान

एडेड शुगर को अध्ययनों में शरीर के लिए कई प्रकार से हानिकारक दुष्प्रभावों वाला पाया गया है, ये न सिर्फ डायबिटीज के खतरे को बढ़ाने वाली होती है



साथ ही समग्र स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा कार्यों पर भी इसका नकारात्मक असर हो सकता है। वे खाद्य पदार्थ जो रक्त शर्करा बढ़ाते हैं, उससे प्रतिरक्षा प्रणाली पर नकारात्मक असर होने का खतरा रहता है। यही कारण है कि डायबिटीज रोगियों को लो-इम्युनिटी की समस्या अधिक रहती है।

ज्यादा सोडियम भी हानिकारक

चीनी के साथ आहार में नमक को मात्रा को भी कम रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। चिप्स, फ्रोजन डिनर और फास्ट फूड्स जैसे नमकीन खाद्य पदार्थ आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। असल में नमक की अधिकता वाले आहार से ऊतकों में सूजन होने का खतरा रहता है जो ऑटोइम्यून बीमारियों का जोखिम बढ़ा देती है। नमक की अधिक मात्रा हृदय स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।



इन्हें खाली रखने से आ सकती है कंगाली
माग्य का भी नहीं मिलता साथ

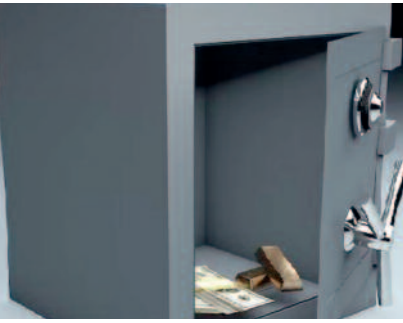
यदि आप वास्तु में विश्वास करते हैं और नया घर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो अपने नए घर के लिए बुनियादी वास्तु युक्तियों का पालन करना महत्वपूर्ण है। वास्तु आपके घर के प्रत्येक कोने में सकारात्मकता और खुशी सुनिश्चित करने के लिए सही रंग, प्रारूप, आकार और दिशाएं सुझाता है। वास्तु शास्त्र की मानें तो घर में मौजूद कई ऐसी चीजें हैं जिसका प्रतिकूल प्रभाव हमारे जीवन पर देखा जा सकता है जैसे कि घर में खाली पड़ी कोई चीज।अक्सर घर में कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिनका खाली रहना दुष्प्रभाव देने लगता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रखी खाली चीजों का असर आपकी प्रगति पर पड़ता है।

तिजोरी न रखें खाली

घर की तिजोरी हो या पर्स कभी भी खाली नहीं रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार खाली तिजोरी या पर्स हमेशा कंगाली की ओर ले जाते हैं। इसीलिए तिजोरी में हमेशा आप कौड़ी, गोमती चक्र, शंख भी रख सकते हैं। यह आपकी समृद्धि का प्रतीक है।

बाथरूम की खाली बाल्टी

वास्तुशास्त्र के अनुसार बाथरूम में कभी भी खाली बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। बाथरूम में रखी खाली बाल्टी नकारात्मक ऊर्जा को लाती है, जिससे हजार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आप बाल्टी का प्रयोग नहीं कर रहे हैं तो उसमें हमेशा पानी भरकर रखें। बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी का प्रयोग करें, जब बाल्टी का प्रयोग हो जाए तो उसे जल से भरकर रख दें, उसे खाली न छोड़ें।



पूजा घर में जलपात्र न रखें खाली

पूजा घर में पूजन सामग्री,जैसे घंटी, धूप , जलपात्र आदि रखा जाता है। वास्तु के अनुसार पूजा के बाद जलपात्र को कभी भी खाली नहीं छोड़ना चाहिए । जलपात्र यानि जल कलश में गंगाजल रख कर उसमें तुलसी पत्ता रखना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान को भी प्यास लगती है और जलपात्र भरा रहने से भगवान जल ग्रहण करते हैं। मन्दिर में जलपात्र खाली रहने से घर और जीवन में नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे आर्थिक संकट भी आता है।

अन्न गंडार न रखें खाली

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी अन्न का भंडार खाली नहीं रहना चाहिए। खाली होने से पहले ही उसे भर देना चाहिए। भरा हुआ अन्न का भंडार समृद्धि का प्रतीक है। यह जीवन में सकारात्मकता लाता है। मां अन्नपूर्णा धन-धान्य, ऐश्वर्य और सौभाग्य की देवी हैं।इन्हें हर रोज पूजा करने से घर अन्न भंडार से भरा रहता है।

कार्नर
न्यूज

कई लोगों को लगता है कि रात का खाना छोड़ने से कैलोरी कम होंगी और वजन तेजी से घटेगा। हालांकि, हर व्यक्ति के शरीर पर इसका असर अलग हो सकता है। इसलिए सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि आप डिनर खाते हैं या नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि पूरे दिन आपकी डाइट कैसी है, आपको कितनी कैलोरी और पोषक तत्व मिल रहे हैं और आपकी खाने की दिनचर्या कितनी नियमित है।

तो अगर आप वजन कम करने के लिए रात का खाना छोड़ देते हैं या देर रात खाना खाने से बचने के लिए डिनर स्किप करने की सोच रहे हैं, तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ सकता है। खाना खाने का समय भी हमारी सेहत और मेटाबॉलिक हेल्थ को प्रभावित कर सकता है।

क्या रात का खाना स्किप
करने से वजन कम होता है?

डिनर छोड़ने से आपकी कुल दैनिक कैलोरी कम हो सकती है। ऐसे में कुछ लोगों का वजन कम हो सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति के लिए रात का खाना



छोड़ना वजन घटाने का सबसे अच्छा तरीका है। वजन कम करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज कुल कैलोरी का संतुलन है। अगर डिनर छोड़ने से आपकी कुल कैलोरी कम हो रही है और आप दिन के बाकी समय संतुलित भोजन कर रहे हैं, तो वजन कम हो सकता है। लेकिन अगर डिनर छोड़ने के बाद आपको बहुत ज्यादा भूख लगती है और आप बाद में अधिक खाना शुरू कर देते हैं, तो इसका फायदा कम हो सकता है।

फास्ट फूड के नुकसान

फास्ट फूड को कई नकारात्मक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ा गया है। इसका अधिक सेवन आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी असर डाल सकता है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों से आंत में मौजूद गुड़ बैक्टीरिया में असंतुलन हो सकता है, ये आपके प्रतिरक्षा स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

फास्ट फूड में बीआईएस (2-एथिलहेक्सिल) फ़ेथलेट (डीईएचपी) और डायसोनोनील फ़ेथलेट



(डीआईएनपी) जैसे रसायन भी हो सकते हैं, जिन्हें शरीर के लिए नुकसानदायक माना जाता है।

शराब, शरीर का दुश्मन

शराब का सेवन आमतौर पर लिवर डैमेज की समस्या से जुड़ा होता है, वहीं इसकी अधिकता प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि शराब पीने वाले लोग अधिक बीमार होते हैं और उनके लिए किसी बीमारी से उबरना भी कठिन हो जाता है। शराब आपकी प्रतिरक्षा तंत्र के लिए आवश्यक बैक्टीरिया की संख्या को भी कम कर देती है। यह संक्रमण से लड़ने के लिए उपलब्ध एंटीबॉडीज को भी नुकसान पहुंचाती है।

मेहमानों के लिए बनाएं ऐसी
मिठाई, झटपट हो जाएंगी तैयार

वैसे तो लोग बाजार से मिठाई खरीद लेते हैं, लेकिन मेहमानों के लिए बहुत से लोग घर पर ही मिठाई बनाना पसंद करते हैं। आपको ऐसी मिठाईयों के बारे में जानना चाहिए, जिसे आप आसानी से घर में ही बना सकती हैं।



मोतीचूर के लड्डू

ये एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कुछ दिन पहले भी तैयार करके रख सकती हैं। देसी घी में बने हुए मोतीचूर के लड्डू हर किसी को खाना पसंद होता है। ऐसे में आप अपने घर पर आसानी से मोतीचूर के लड्डू तैयार कर सकती हैं।

छैना

वैसे तो छैना हर मिठाई की दुकानों पर आसानी से मिल जाता है लेकिन अगर आप इसे घर पर बनाएंगी तो इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा। इसे बनाते वक्त आप अपने और अपने भाई की पसंद का फ्लेवर भी एड कर सकती हैं।

गुलाब जामुन

इस मौसम में गर्मागर्म गुलाब जामुन खाना किसे नहीं पसंद होता। ऐसे में आप रक्षाबंधन के दिन के लिए घर पर ही गुलाब जामुन तैयार कर सकती हैं।

नारियल की बर्फी

जिन लोगों को ज्यादा मीठा खाना नहीं पसंद होता, उनके लिए नारियल की बर्फी काफी सही विकल्प है। इसमें चीनी की मात्रा कम डाल सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है।



वजन कम करना है तो सोफे
पर बैठे-बैठे करें ये योगासन

अच्छी सेहत के लिए शारीरिक क्रियाएं फायदेमंद होती हैं। नियमित तौर पर व्यायाम या योगासन करने से शारीरिक और मानसिक स्थिति पर अच्छा असर पड़ता है। विशेषज्ञ नियमित योगासनों के अभ्यास की सलाह देते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए कई योगासन हैं, जो अलग अलग शारीरिक और मानसिक समस्याओं में असरदार हैं। कई बीमारियों को कम करने और रोग मुक्त करने के लिए योगासन किया जा सकता है। हालांकि भागदौड़ वाली जीवनशैली में लोगों के पास व्यायाम और योगासन के अभ्यास के लिए वक्त कम हो सकता है। लेकिन कुछ ऐसे योगासन हैं, जो किसी भी वक्त किसी भी जगह पर किए जा सकते हैं। जैसे अगर आप दफ्तर में कुर्सी पर बैठ कर काम कर रहे हैं या कुछ वक्त सुकून का निकालकर घर पर सोफे पर बैठकर टीवी देख रहे हैं, तो भी बैठे बैठे कुछ योगासनों का अभ्यास किया जा सकता है। इससे वजन कम होने के साथ ही सर्वाइकल की समस्या और कई अन्य बीमारियों से राहत मिलती है। यह रहे बैठकर किए जाने वाले योगासन।



वीरभद्रासन चेयर पोज

कुर्सी पर बैठकर वीरभद्रासन चेयर पोज आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आप दाईं जांच को कुर्सी पर टिकाते हुए बाएं पैर को खींचकर पीछे की ओर ले जाएं। अब बाएं पैर के तलवे को कुर्सी के बराबर रखकर फर्श पर टिकाते हुए सीने का झुकाव आगे की तरफ रखें। सांस खींचते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर उठाकर मिलाएं। कुछ सेकेंड इसी मुद्रा में रहें, बाद में सामान्य मुद्रा में आ जाएं।

मार्जरी-बितिलासन चेयर पोज

इस आसन को करने के लिए कुर्सी पर बैठकर रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और हथेली को घुटने व जांच पर रखें। अब लंबी सांस लेते हुए सीने का बाहर की ओर फुलाएं। रीढ़ की हड्डी मोड़ते हुए कंधों को पीछे की ओर ले जाएं और धीरे धीरे सांस छोड़ें। साथ ही रीढ़ को पीठ की ओर ले जाकर गोल करें। ठोड़ी गले में लगाएं और कंधे व सिर को आगे की ओर झुकाएं। आसन को करते समय लंबी सांस लें और छोड़ें।

गरुड़ासन चेयर पोज

कुर्सी या सोफे पर बैठकर आप गरुड़ासन चेयर पोज का अभ्यास कर सकते हैं। सबसे पहले दाईं जांच के ऊपर क्रांस करके रखें और बाएं हाथ को कोहनी से दाएं पर लपेटकर छूने की कोशिश करें। अब दोनों कोहलियों को उठाएं और कंधों को कानों से दूर करने की कोशिश करें। इस स्थिति में तीन से पांच बार सांस लेने तक बरकरार रखें।



जानिए डिनर छोड़ने के फायदे और नुकसान

रात का खाना छोड़ने का चलन बढ़ रहा तेजी से, वजन कम
करने से लेकर सेहत दुरुस्त करने का मूल मंत्र मानते हैं लोग

रात का खाना छोड़ने से शरीर पर
क्या असर पड़ सकता है?

डिनर स्किप करने का असर व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य, दिनभर की डाइट, शारीरिक गतिविधि और कुल कैलोरी सेवन पर निर्भर करता है। अगर आपको दिनभर पर्याप्त कैलोरी, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स मिल रहे हैं, तो कुछ लोगों के लिए सीमित समय में खाना एक विकल्प हो सकता है। लेकिन अगर डिनर छोड़ने की वजह से आपकी कुल डाइट में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने लगे, तो यह सेहत और डाइट की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

क्या डिनर स्किप करने से मूख
ज्यादा लग सकती है?

कुछ लोगों में रात का खाना छोड़ने के बाद देर रात या आगले दिन ज्यादा भूख लग सकती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति बाद में ज्यादा मात्रा में खाना या हाई-कैलोरी और ज्यादा प्रोसेस्ड फूड खाना शुरू कर सकता है। अगर डिनर छोड़ने के बाद आपको बार-बार तेज भूख लगती है, कमजोरी



महसूस होती है या अगले दिन जरूरत से ज्यादा खाना पड़ता है, तो यह तरीका आपके लिए सही नहीं हो सकता।

डिनर का समय महत्वपूर्ण

सिर्फ यह मायने नहीं रखता कि आप रात का खाना खाते हैं या नहीं, बल्कि आप कब खाना खाते हैं, यह भी महत्वपूर्ण हो सकता है। अगर आप रोजाना बहुत देर रात खाना खाते हैं,

तो यह आपकी नींद और पाचन से जुड़ी परेशानियों को बढ़ा सकता है। इसलिए कोशिश करें कि डिनर और सोने के बीच पर्याप्त अंतर हो।

क्या रात में खाना बिल्कुल
बंद कर देना चाहिए?

ऐसा कोई एक नियम नहीं है कि हर व्यक्ति को रात का खाना छोड़ देना चाहिए या हर हाल में डिनर करना ही चाहिए। आपकी लाइफस्टाइल, काम का समय, फिजिकल एक्टिविटी, कुल कैलोरी इनटेक और स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार आपका इंटिंग पैटर्न अलग हो सकता है। अगर आप रात में खाना खाते हैं, तो कोशिश करें कि आपका भोजन हल्का, संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर हो। इसमें प्रोटीन, सब्जियां, साबुत अनाज या अन्य पौष्टिक कार्बोहाइड्रेट स्रोत शामिल किए जा सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सेलेना पर लगे धोखाधड़ी के आरोप, वकील ने किया बचाव

सेलेना गोमेज की लीगल टीम ने वंडरमाइंड के खिलाफ दायर मुकदमे का जवाब दिया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज किया है। वंडरमाइंड एक मॉटल हेल्थ कंपनी है, जिसकी वह को-फाउंडर हैं। गोमेज के वकील मैथ्यू एस. रोजेनगार्ट ने उनके खिलाफ लगाए गए दावों को पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा है



कि उनकी लीगल टीम कोर्ट से इस मामले को खारिज करने की मांग करेगी। उन्होंने कहा वह इन झूठे आरोपों का पुरजोर बचाव करेंगे। उनके खिलाफ बेबुनियाद दावों को खारिज करने के लिए एक मोशन भी दायर किया जा रहा है।

यह मुकदमा वंडरमाइंड एसआरएस 44 एलएलसी और बेसपोक वंडरमाइंड एसपीवी एलएलसी ने गोमेज, उनकी मां मैडी टीफी और पूर्व बिजनेस पार्टनर डेनिएला पियर्सन के खिलाफ दायर किया था। कंपनियों ने इन तीनों पर वंडरमाइंड की लीडरशिप और योजनाओं के बारे में इन्वेस्टर्स से झूठे दावे करने का आरोप लगाया है।

वंडरमाइंड की शुरुआत नवंबर 2021 में गोमेज, टीफी और पियर्सन ने मिलकर की थी। यह कंपनी मॉटल फिटनेस और उससे जुड़े टूल्स पर फोकस करती है।

मुकदमे के अनुसार, इन्वेस्टर्स को कथित तौर पर बताया गया था कि वंडरमाइंड का एक ऐप होगा और बड़ी एडवर्टाइजिंग पार्टनरशिप होंगी, साथ ही सैलिब्रिटी फोटो शूट और मैगजीन कवर स्टोरीज भी होंगी। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि गोमेज को कंपनी की मार्केटिंग योजनाओं के एक अहम

टॉलीवुड

मोहन ने की नई फिल्म की घोषणा
जूड एंथनी जोसेफ होंगे निर्देशक

सु प र स् ट ा र मोहनलाल ने अपने फैंस को खुशखबरी दी है। उन्होंने रविवार को निर्देशक जूड एंथनी जोसेफ



के साथ अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा की है। अभिनेता ने एक्स पर निर्देशक के साथ इस कोलैबोरेशन की जानकारी दी है। उन्होंने जूड एंथनी जोसेफ के साथ एक तस्वीर भी शेयर की है। फिल्म आगले साल रिलीज होने वाली है।

एक्स पर मोहनलाल ने निर्देशक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा 'यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अगले साल में जूड एंथनी जोसेफ के साथ एक रोमांचक नई फिल्म पर काम करने जा रहा हूं! इस बारे में और जानकारी जल्द ही मिलेगी!' यह घोषणा इस जोड़ी के बीच एक और सहयोग को दिखाती है। इससे पहले रिलीज हुई फिल्म 'थुडक्कम' में दोनों ने साथ में काम किया था। इसमें अभिनेता की बेटी विस्मया मोहनलाल भी नजर आई थीं। विस्मया के अलावा, फिल्म में दिनेश प्रभाकर, जाफर इडुक्की, कोट्टायम रमेश और जिबिन गोपीनाथ भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'थुडक्कम' से पहले, मोहनलाल 'दुश्यम 3' में नजर आए थे, जो मशहूर 'दुश्यम' ट्रिलॉजी का तीसरा और आखिरी चैप्टर था। इसे जीती जोसेफ ने लिखा और डायरेक्ट किया था। 21 मई, 2026 को दुनिया भर में रिलीज हुई इस मलयालम क्राइम ड्रामा थ्रिलर को दर्शकों का जबरदस्त रिसाॉन्स मिला और बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई हुई। इस फिल्म में मोहनलाल ने जॉर्जकुट्टी के अपने मशहूर किरदार को फिर से निभाया है। 'दुश्यम' सीरीज जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार की कहानी है, जो एक सीनियर पुलिस अफसर के बेटे के लापता होने के बाद शक के घेरे में आ जाते हैं।

भोजपुरी

निरहुआ ने कही ऐसी बात कि टूट गया आम्रपाली का दिल

रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' इन दिनों चर्चा में है। इसमें भोजपुरी सितारे जैसे आम्रपाली दुबे, रानी चटर्जी, निरहुआ, काजल राघवानी और पवन सिंह हैं। ये सितारे अपनी ज़िंदगी के कई खुलासे कर रहे हैं। हाल ही में शो के कई नए प्रोमो जारी हुए हैं। इसमें निरहुआ और आम्रपाली की दोस्ती में दारार पड़ती नजर आ रही है। वहीं एक दूसरे प्रोमो में अभिनेता आम्रपाली की बात सुनकर नाराज हो जाते हैं। 'भोजपुरी बवाल' के एक प्रोमो में निरहुआ भारती सिंह से आम्रपाली के नखरों पर बात करते हैं। निरहुआ की बात आम्रपाली को बुरी लगती है। इसके बाद वह रोने लगती हैं। यूजर्स का मानना है कि इस बातचीत के बाद निरहुआ और आम्रपाली के रिश्ते में दारार पड़ गई है। शो 'भोजपुरी बवाल' के दूसरे प्रोमो में पवन सिंह नजर आते हैं। इसमें नीलम को कहते हुए सुना जा सकता है 'सुना है कि पवन जी को नई-नई हीरोइनों के साथ काम करना पसंद है।' इस पर आम्रपाली कहती हैं 'वह लड़कियों के शौकीन हैं।' भोजपुरी अभिनेत्रियों की बात सुनकर पवन सिंह नाराज हो जाते हैं। वह कहते हैं 'हमको ये सब बिल्कुल पसंद नहीं।' इससे पहले 'भोजपुरी बवाल' के एक प्रोमो वीडियो में शुभंकर मिश्रा ने आम्रपाली से पूछा कि निरहुआ क्या आपको भैया है? इस पर वह कहती हैं, 'वो मेरे को-एक्टर हैं।'आगे शुभंकर कहते हैं, 'आप स्वीकार क्यों नहीं कर लेते हो कि प्यार करते हो।



रियाज का कलेक्शन



लाइफ़ स्टाइल

मशहूर डिजाइनर रियाज़ गंगजी ने वीकेंड पर बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में जबरदस्त ग्लैमर का क्लासिक अंदाज़ पेश किया। खास मौकों पर पहने जाने वाले कपड़ों के इस कलेक्शन का नाम 'डॉन ऑफ़ हार्मनी' था और इसे इंसानी ज़ज़्बे का ज़श्न मनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। जब मुंबई में रियाज़ गंगजी का रनवे शो शुरू हुआ, तो मॉडल्स सफ़ेद, सुनहरे और कैरमेल जैसे चमकदार रंगों के कपड़ों में रैंप पर उतरीं।

पहली बार स्वा करवाने से पहले इन बातों का ध्यान रखें

स्पा ट्रीटमेंट की मदद से हमें काफी ज्यादा राहत मिलता है। स्पा ट्रीटमेंट करवाना सभी को पसंद होता है, हालांकि अगर आप बाँड़ी स्पा करवा रही हैं तो आपको काफी पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। ऐसे में बार- बार स्पा ट्रीटमेंट लेना सभी के बस की बात नहीं होती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि पहली बार स्पा करवाने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। स्पा ट्रीटमेंट लेने के दौरान आपको किसी भी चीज के बारे में नहीं सोचना चाहिए। आपको स्पा के दौरान खुद को थैरपिस्ट को सौंप देना चाहिए। कोशिश करें की बाँड़ी स्पा किसी महिला से करवाएं तक आपको ज्यादा कंपरटेबल होगा। रिलैक्स करने से ही आपको इस ट्रीटमेंट का असर होगा। स्पा ट्रीटमेंट यानी मसाज करवाने के बाद कुछ घंटो के लिए आपको आराम लेना चाहिए। इस दौरान आपको काफी शांति मिलेगी कोशिश करें की 1 या 2 घंटे का नींद भी लें। स्पा ट्रीटमेंट के बाद आराम करने से आपको काफी शांति मिलेगी और जो भी शरीर में दर्द है वह भी निकल जाएगा। कई लोग स्पा के दौरान ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। बता दें कि स्पा के दौरान आपको खुद से भी थैरपिस्ट को गाइड करना होगा। अगर आपको स्पा का प्रेशर ज्यादा लग रहा है तो अपने थैरपिस्ट से प्रेशर कम करने के लिए भी कह सकते है।



चेहरे की चमक को बरकरार रखने अपनाएं घरेलू उपाय

हम सभी जानते हैं कि चमकदार त्वचा पाने के लिए चेहरे का खास ख्याल रखना कितना जरूरी होता है। हालांकि बदलते ब्यूटी ट्रेंड्स में आपको इसके लिए मार्केट में कई तरह के प्रोडक्ट्स आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन बाहरी प्रोडक्ट्स में भरपूर मात्रा में केमिकल मौजूद होता है जो आपकी त्वचा की चमक को फ़ीका कर सकता है।

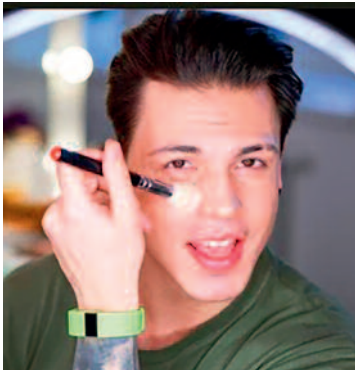


र्लोइंग स्किन पाने के लिए आप घर में मौजूद चीजों की सहायता ले सकती हैं। इसलिए आज हम आपको बताने वाले हैं एक ऐसा घरेलू नुस्खा जिसकी मदद से आप आसानी से त्वचा को नेचुरल चीजों की मदद लेकर इनकी सही तरीके से देखभाल कर पाएंगी। साथ ही बर्तों में मदद करते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स तत्व त्वचा को नमी प्रदान करने में सहायता करते हैं। वहीं खीरा स्किन को डीप क्लीन करने के काम करता है। बेसन में मौजूद प्रॉपर्टी त्वचा के

कालेपन को कम करने में मदद करता है। हर तरह के स्किन इन्फेक्शन को होने से रोकने के लिए बेसन बेहद मददगार होता है। शहद स्किन को नैचुरली एक्सफोलिएट करने में शहद मदद करता है,जो चेहरे के पोर्स क्लीन करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स तत्व त्वचा को हाइड्रेटेड बनाने में मदद करती है। शहद आपको लिप्स की स्किन में इलास्टिसिटी बरकरार रखने में मदद करता है।

कार्न न्यूज

बारिश के मौसम में मेंस मेकअप के लिए, हल्का और वाटरप्रूफ मेकअप सबसे अच्छा होता है। तैलीय त्वचा के लिए मेट फ़िनिश और सामान्य त्वचा के लिए एक हाइड्रेटिंग फ़िनिश चुनें। मेकअप से पहले बर्फ का इस्तेमाल करें ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे। चेहरे को बार-बार छूने से बचें। एक छाता और वाटरप्रूफ जैकेट का उपयोग करें। यदि आप तैलीय त्वचा वाले हैं, तो पोंछने के लिए एक टिश्यू पेपर रखें। संक्षेप में, बारिश के मौसम में मेंस मेकअप के लिए, हल्का, वाटरप्रूफ और मेट फ़िनिश चुनें। पुरुषों के हल्के और वाटरप्रूफ मेकअप के लिए, आप एक हल्के प्राइमर या टिटेड मॉइस्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं, जो त्वचा को एक समान और चमकदार रूप देता है और त्वचा की खामियों को छुपाता है। वाटरप्रूफ कवरेज के लिए, एक वाटरप्रूफ फाउंडेशन या लिक्विड हाइलाइटर का उपयोग करें जो लंबे समय तक टिके और पसीने से भी प्रतिरोधी हो।



स्किन प्रेप

मेकअप से पहले चेहरे को अच्छी तरह धो लें और एक हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं। फिर, एक प्राइमर का उपयोग करें ताकि मेकअप लंबे समय तक टिका रहे और त्वचा चिकनी दिखे।

फाउंडेशन/बीबी क्रीम

तैलीय त्वचा के लिए, एक हल्का, ऑयल-फ्री

नमी भरे मौसम में मेंस फैशन में ध्यान रखने है बहुत कुछ

बारिश में मेंस मेकअप के लिए बरतें कुछ सावधानी जरा सी ठालती से हो सकता है आपका लुक खराब

फाउंडेशन या बीबी क्रीम चुनें। सामान्य त्वचा के लिए, एक हाइड्रेटिंग बीबी क्रीम का उपयोग करें जो मेट फ़िनिश देती है। फाउंडेशन या बीबी क्रीम को पूरे चेहरे पर समान रूप से फैलाएं। एक वाटरप्रूफ कॉम्पैक्ट पाउडर का उपयोग करें ताकि मेकअप सेट हो जाए और बारिश में फैले नहीं।

आई मेकअप

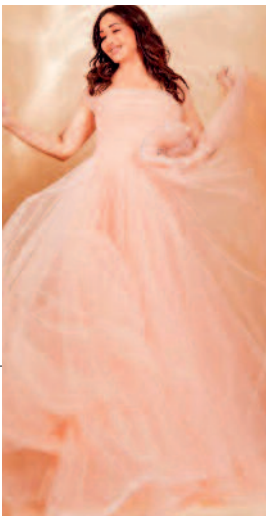
वॉटरप्रूफ आईलाइनर और मस्कारा का उपयोग करें। आईशैडो के लिए, क्रीम बेस्ड आईशैडो से बचें और मेट आईशैडो का उपयोग करें। आइब्रो पेंसिल के बजाय, जेल का उपयोग करें। मेट लिपिस्टिक का उपयोग करें। ग्लॉसी या क्रीमी लिपिस्टिक से बचें क्योंकि वे बारिश में फैल सकती हैं।

मॉइस्चराइजर/प्राइमर

अपनी त्वचा को नम करने के लिए

पार्टी के लिए आउटफिट को ऐसे करें स्टाइल

जब भी पार्टी होती है तो हम अलग-अलग तरीके के कपड़े स्टाइल करना पसंद करते हैं। इसमें हम अपनी पसंद का कलर भी चूज करते हैं ताकि खूबसूरत लग सके। अगर आप कहीं पार्टी में जाने का प्लान कर रही हैं तो इसके लिए पिक कलर को चूज कर सकती हैं। ये कलर भी पार्टी में काफी अच्छा लगता है। आप इसे नाइट पार्टी और डे दोनों में वियर कर सकती हैं। इसमें कई सारे ऑप्शन आपको मिल जाएंगे। जिन्हें अलग-अलग तरीके से स्टाइल किए जा सकते हैं। पार्टी के लिए पिक आउटफिट हमेशा से एक बेहतरीन और स्टाइलिश विकल्प रहा है। आप अपनी पसंद के अनुसार बेबी पिक से लेकर ब्राइट रानी पिक तक के शेड्स चुन सकती हैं। इनमें एथनिक में सीक्वेंस वर्क वाला अनारकली सूट, गोटा-पट्टी लहंगा, या वेस्टर्न में सेक्विन ड्रेस और स्टाइलिश जंपसूट शामिल हैं।



पिक गाउन लुक

अगर आप किसी कॉकटेल पार्टी में जाने का प्लान कर रही हैं तो इसके लिए आप इस गाउन लुक को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके के गाउन लुक पार्टी में काफी अच्छे लगते हैं। माधुरी दीक्षित ने भी इस पिक गाउन को बेहद खूबसूरती के साथ वियर किया है जिसे स्टाइल बाय अमी ने डिजाइन किया है। इस तरीके के गाउन को आप किसी भी लोकल मार्केट से खरीद सकती हैं। इसमें आप ऑफ शोल्डर ऑप्शन भी ट्राई कर सकती हैं और फ्लेयर्ड स्लीव्स वाले गाउन को भी खरीद सकती हैं। ये गाउन आपको मार्केट में 2000 से 3000 की रेंज में अच्छे डिजाइन के साथ मिल जाएंगे।



बेहद खास हैं बेल मेहंदी के ये आसान डिजाइंस

हर शुभअवसरों पर मेहंदी लगाई जाती है। फिर सावन तो मेहंदी के नाम ही है। आजकल बेल मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके कई डिजाइन आपको ऑनलाइन भी मिल जाएंगे, लेकिन इन सभी डिजाइन को बना पाना बिल्कुल भी आसान नहीं होता है।

केरी बेल मेहंदी डिजाइन

डिजाइन की बात करें तो सबसे ज्यादा केरी मेहंदी को पसंद किया जाता है और इसे बनाना भी बेहद आसान होता है। वहीं केरी मेहंदी डिजाइन बनाकर आप अंदर की तरफ जाल बना सकती हैं। जाल के लिए आप बारीक पैटर्न को बनाएं। इसके लिए आप डार्क कलर की मेहंदी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

भरे हाथों वाली बेल मेहंदी डिजाइन

भरे हाथों की मेहंदी देखने में बेहद आकर्षक नजर आती है। वहीं अब आप बेल में भी हाथों को भरा हुआ दिखा सकती हैं। इसमें आप फूल-पत्ती से लेकर जाल वर्क या ज्वेलरी स्टाइल के डिजाइन को भी चुन सकती हैं। वहीं चाहे तो इसमें आप अपना नाम भी लिखवा सकती हैं।

जाल बेल मेहंदी डिजाइन



इस तरह की मेहंदी को लगाने के लिए आप अपने हाथों के आकार का खास ख्याल रखें और उसी के हिसाब से जाल को चौड़ा या बारीक डिजाइन का बनाये। आप कोई भी डिजाइन बनाकर अंदर की तरफ बारीक पैटर्न के जाल डिजाइन को बना सकती हैं।

फूल-पत्ती बेल मेहंदी डिजाइन

फूल-पत्ती डिजाइन की मेहंदी तो एवरग्रीन पसंद की जाती है। वहीं अगर आप मॉडर्न और मिनिमल डिजाइन की मेहंदी लगाना चाहती हैं तो इस तरह का डिजाइन आपके हाथों की शोभा बढ़ाने में मदद करेगा। ध्यान रहे कि आप फूल-पत्ती के आकार को हाथों की शेप और साइज के हिसाब से ही बनाएं।

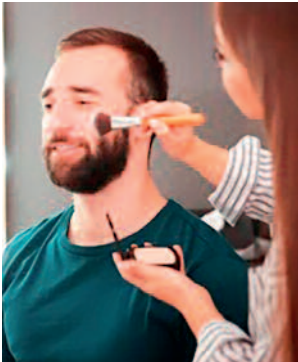
कॉन। यह त्वचा पर भारी महसूस नहीं होता और आसानी से ब्लेंड हो जाता है।

कंसीलर

मुहांसों या काले धब्बों के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। इसे केवल उन्हीं जगहों पर थपथपा कर लगाएं जहां आपको अतिरिक्त कवरेज की आवश्यकता है, और फिर उंगली या स्पंज से इसे मिला लें। वाटरप्रूफ फाउंडेशन का चयन करें जो वाटरप्रूफ हो और पसीने से भी प्रतिरोधी हो। यह आपको एक स्थायी, प्राकृतिक रूप देता है।

वॉटरप्रूफ हाइलाइटर

ओस जैसी चमक के लिए एक वाटरप्रूफ लिक्विड हाइलाइटर का उपयोग करें। यह त्वचा को क्रिस्टल-जेल फ्रॉर्मूले से चमक देता है और पानी प्रतिरोधी होता है। मेकअप लगाने चेहरे को तैयार करें।



एक हल्के मॉइस्चराइजर से शुरू करें। वंडरग्लो जैसे प्राइमर का उपयोग करने से त्वचा को एक स्वस्थ चमक मिलती है और खामियां छिप जाती हैं।

टिटेड मॉइस्चराइजर /हल्का फाउंडेशन

एक टिटेटड मॉइस्चराइजर या हल्के कवरेज वाले फाउंडेशन का उपयोग